कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

# जागृति

वर्ष-61 अंक-2 मुम्बई जनवरी 2017

## आयोग एवं रेमण्ड ने किया भारत के प्रथम ब्रांडेड खादी लेवल का लोकार्पण

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की
औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

# जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की
औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष-61 अंक-2 मुम्बई जनवरी 2017



**सम्पादक मंडल**

**अध्यक्ष**
उषा सुरेश

**सम्पादक**
के. एस. राव

**उप सम्पादक**
सुबोध कुमार

**अवर उप सम्पादक**
अमृता सोम मुखर्जी

**अवर हिन्दी अनुवादक**
सरस्वती खनका

**वरिष्ठ कलाकार**
संजय एस. सोमदे

**कलाकार**
चंद्रशेखर पुनवटकर,
दिलीप पालकर



के. सुब्बाराव, द्वारा प्रचार, फिल्म एवं
लोक शिक्षण कार्यक्रम निदेशालय,
खादी और ग्रामोद्योग आयोग
ग्रामोदय,3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),
मुम्बई - 400 056 के लिए प्रकाशित
टेलिफैक्सः 022-26719465
ई-मेलः jagritikvic@gmail.com वेबसाईटः www.kvic.org.in

प्रचार, फिल्म एवं लोक शिक्षण कार्यक्रम निदेशालय,
खादी और ग्रामोद्योग आयोग, ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड,
विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई - 400 056 में प्रकाशित



आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा व्यक्त विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा सम्पादक सहमत हों।


## इस अंक में...


समाचार सार 3 से 24

फिर से बनी खादी-एक जीवन शैली, जिससे खादी उत्पादन में वृद्धि हुई.....

मुंबई में दिनांक 19-20 दिसम्बर 2016 को आयोजित विभागीय संबंधित संसदीय स्थायी समिति की बैठक.....

खादी और ग्रामोद्योग आयोग एवं रेमंड ने भारत के पहले ब्रांडेड खादी लेबल का शुभारम्भ किया.....

आयोग द्वारा वाराणसी में दो नए प्रयास.....

वड़ोदरा में राज्य स्तरीय प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम प्रदर्शनी.....

खादी हाट:ग्रामीण कारीगरों की उत्थान हेतु एक और पहल.....

पश्चिम क्षेत्र के आंचलिक समिति की बैठक.....

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की पुण्यतिथि मनायी गयी.....

विमुद्रीकरण से नहीं हुई प्रभावित खादी बिक्री.....

कुरनूल जिला में खादी कारीगरों के लिए जागरूकता.....

'आराध्य' बोरीवली डिजाइन मेले में बिखरी खादी .....

मायाबंदर में उत्तर एवं मध्य अंडमान जिलों के लिए जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की 58वीं बैठक.....

आई.टी.पी.ओ. द्वारा सिक्किम में आयोजित प्रदर्शनी में आयोग ने भाग लिया.....

कैशलेस ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने हेतु एक कार्यशाला एवं जागरूकता शिविर का आयोजन.....

आयोग की 640वीं बैठक का कार्यवृत्त.....

खादी क्षेत्र के उत्थान हेतु आयोग द्वारा किये गए विज्ञापन..... ..25 से 30

समाचार पत्रों में प्रकाशित खादी ग्रामोद्योग जगत की सुर्खियां.....30 से 35

# फिर से बनी खादी-एक जीवन शैली, जिससे खादी उत्पादन में वृद्धि हुई

**- केंद्रीय मंत्री श्री कलराज मिश्र**

नई दिल्ली, 22 दिसंबर 2016: हथकरघा क्षेत्र के बारे में बात करते हुए, केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री कलराज मिश्र ने कहा कि खादी ने स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान के जैसे एक बार फिर जनता के बीच अपनी प्रतिष्ठा बरकरार रखी है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि छोटे पैमाने पर उद्योगों में निवेश से 'मेक इन इंडिया' अभियान सफल बनाएगा।

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री कलराज मिश्र ने हथकरघा क्षेत्र के बारे में बोलते हुए कहा कि खादी ने एक बार फिर जनता के बीच अपनी प्रतिष्ठा बरकरार रखी है, जैसे स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान थी।

★★

# मुंबई में दिनांक 19-20 दिसम्बर 2016 को आयोजित विभागीय संबंधित संसदीय स्थायी समिति की बैठक

## आयोग और रेमंड ने हाथ मिलते हुए खादी के विपणन के लिए संयुक्त पहल की

# खादी और ग्रामोद्योग आयोग एवं रेमंड ने भारत के पहले ब्रांडेड खादी लेबल का शुभारम्भ किया

- **वैश्विक स्तर पर खादी को 'फैशन फैब्रिक' के तौर पर स्थापित करने की एक पहल।**
- **खादी बाइ रेमंड' ब्रांड के तौर पर, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने रेमंड को खादी मार्क के इस्तेमाल के लिए प्रमाणित किया है।**
- **रेमंड दिल्ली और मुंबई के विभागीय बिक्री केन्द्रों से खादी की सभी भारतीय वैराइटी की सोर्सिंग करेगा।**
- **यह संयुक्त पहल सूत कातने वाले लोगों एवं बुनकरों के लिए 2.10 लाख पुरुष घंटों के अतिरिक्त रोजगार को उत्पन्न करेगी।**
- **खादी बाइ रेमंड' फरवरी 2017 से समूचे देश के खादी और ग्रामोद्योग आउटलेट्स एवं रेमंड बिक्री केन्द्रों में उपलब्ध होगी।**

मुंबई, 6 दिसंबर 2016: खादी और ग्रामोद्योग आयोग, एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार ने भारत की अग्रणी टेक्सटाइल व अपैरल कंपनी रेमंड लिमिटेड के साथ एक एक्सक्लूसिव साझेदारी पर

हस्ताक्षर किये हैं। अपने तरह की यह प्रथम पहल दो मशहूर भारतीय ब्रांड्स के बीच सहक्रियात्मकता को अनुसंधानित कर रही है, जो 'मेक इन इंडिया' की विरासत को आगे बढ़ाने एवं भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का प्रतिनिधित्व करने के लिए कृतसंकल्प है। श्री विनय कुमार सक्सेना, अध्यक्ष, खादी और ग्रामोद्योग आयोग एवं श्री गौतम हरि सिंघानिया, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, रेमंड लि. की गरिमामय

उपस्थिति में इस समझौते पर सुश्री ऊषा सुरेश, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, खादी और ग्रामोद्योग आयोग एवं श्री संजय बहल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेमंड लि. ने हस्ताक्षर किये।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के लिए रेमंड को 'खादी मार्क' के इस्तेमाल के लिए प्रमाणित करना बड़ी सफलता होगी। इस साझेदारी पर चर्चा करते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री वी.के.

सक्सेना ने कहा कि, "खादी की बेहतर मार्केटिंग के लिए रेमंड के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करना शहरी उद्योग को ग्रामीण उद्योग के साथ जोड़ने की एक प्रक्रिया है। दूसरे शब्दों में, यह देश की सृजनात्मक विविधता की सामाजिक-आर्थिक एकता है। यह एक ऐतिहासिक समझौता है, जहां पर रेमंड जैसा एक बड़ा टेक्सटाइल निर्माता खादी को प्रोत्साहित करेगा। प्रधानमंत्री के विजन के अनुरुप यह समझौता शहर और गांव के बीच की खाई को पाटने का कार्य करेगा। भारत की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं एवं संसाधनों को सर्वाधिक निर्धन लोगों एवं ग्रामीण क्षेत्र के अभावग्रस्त लोगों के लिए कार्य करना चाहिए। इसलिए यह इस दिशा में खादी और ग्रामोद्योग आयोग का एक विनम्र प्रयास है।"

'फैब्रिक ऑफ़ दी नेशन' के तौर पर स्वीकृत खादी स्वावलंबन एवं स्वतंत्रता का प्रतीक है, जिसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान एक प्रमुख भूमिका

निभायी थी और इस प्रकार यह राष्ट्र की आर्थिक आजादी एवं आत्म-सम्मान का जीता जागता साक्ष्य है। इस सहयोग पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए श्री गौतम हरि सिंघानिया ने कहा कि, "भारत के परिप्रेक्ष्य में चरखा चलाना सदैव ही आत्म-निर्भरता का प्रतीक रहा है एवं मुझे बहुत खुशी है कि अब रेमंड के पास असली भारतीय वस्त्र खादी है - जोकि इसके उत्पाद पोर्टफोलियो का हिस्सा है। 'मेक इन इंडिया' पहल की दिशा में समर्पित हमारी तलाश और खादी के विषय में

माननीय प्रधान मंत्री के विजन के प्रति समर्पित यह पहल एक निर्णायक क्षण है, क्योंकि खादी और ग्रामोद्योग आयोग के साथ यह संबंध अनेक रोजगार अवसरों का सृजन करेगा एवं कलाकारों, विशेषकर ग्रामीण भारत की महिलाओं को सशक्तीकृत करेगा।"

इस पहल की परिकल्पना खादी और ग्रामोद्योग आयोग अधिनियम के अंतर्गत की गयी है। यह खादी

अथवा ग्रामोद्योग उत्पादों या हस्तशिल्प की बिक्री व मार्केटिंग को प्रोत्साहित करने में सक्षम बनाती है एवं पीपीपी मोड के माध्यम से विपणन अभिकरणों को स्थापित करने के साथ संबंध को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया को भी बल देती है। इस सम्मिलन के अंतर्गत रेमंड मलमल कॉटन व रेशम की प्राथमिक खरीद के साथ 5 वर्ष की अवधि के लिए खादी और खादी के उत्पादों के एक 'गारंटीड मिनिमम प्रोक्योरमेंट' के लिए सहमत हो

गया है।

'खादी बाइ रेमंड' के रुप में ब्रांडेड, भारतीय लोकाचार एवं नवीनतम ट्रेंड्स का मिश्रण निश्चित रुप से खादी को बाजार में दिखाई देने वाले फैशन फैब्रिक के तौर पर स्थापित करेगा। इस रणनीतिक संबंध के हिस्से के रुप में रेमंड तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने के साथ समूचे देश के खादी निर्माण समूहों में डिजाइन इंटर्वेंशंस को भी अंजाम देगा। इसके अतिरिक्त रेमंड ओटीसी सेल्स के लिए केवीआइसी के डिपार्टमेंटल सेल्स आउटलेट्स से भारत की सभी खादी वैराइटीज को प्राप्त करेगा और साथ ही साथ अपने अपैरल ब्रांड्स के लिए रेडीमेड गारमेंट्स की क्राफ्टिंग करेगा। इस रणनीतिक पहल के विषय में विस्तार से चर्चा करते हुए, श्रीमती ऊषा सुरेश, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने कहा कि, "खादी और ग्रामोद्योग आयोग अपने खादी कला शिल्पियों के जीविकोपार्जन को बेहतर बनाने के सरोकार के प्रति समर्पित है। इसने खादी उत्पादों के विपणन में सुधार हेतु अनेक कदम उठाया है, जिसमें 'खादी मार्क' की पेशकश शामिल है। खादी के सभी प्रमाणिक उत्पादों पर 'खादी मार्क' लगा होगा। खादी को एक वैश्विक एवं एक फैशनेबल फैब्रिक के तौर पर प्रोत्साहित करने के लिए रेमंड के साथ यह साझेदारी खादी को फैशन जागरुक उन वैश्विक भारतीयों में स्थान प्रदान करेगी, जो हाथ से बुने कपड़ों

के वास्तविक प्रेमी होते हैं।"

'खादी फॉर फैशन' को प्रोत्साहित करने के माननीय प्रधानमंत्री के विजन के अनुकूल यह पहल यह सुनिश्चित करेगी कि खादी विवेकशील ग्राहकों तक पहुंचने हेतु अनेक संचार माध्यमों एवं प्रोत्साहनों के जरिए पसंदीदा फैब्रिक के रुप में स्थान बनाने में सफल हो। इसके अतिरिक्त विजुअल मर्चेन्डाइजिंग के माध्यम से रेमंड स्टोर्स के अंदर खादी के 'लोगो' को प्रदर्शित किया जाएगा। वर्तमान समय में खादी का विपणन खादी ग्रामोद्योग भवन के स्टोर्स के साथ ही साथ केवीआइसी व केवीआइबी द्वारा वित्तपोषित संस्थाओं द्वारा संचालित विक्रय आउटलेट्स द्वारा विपणन किया जाता है।

इस समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान श्री संजय बहल ने कहा कि, "अब ग्राहकों में सेंथेटिक ब्लेंड्स के स्थान पर नेचुरल फाइबर्स की ओर रुझान तेजी से बढ़ रहा है। इस संदर्भ में खादी एक पूर्ण समाधान है, जो नेचुरल फाइबर्स की व्यापक श्रृंखला की पेशकश करता है, जिसमें हाथ से काते गए एवं हाथ से बुने गए दोनो ही फैब्रिक्स शामिल हैं। इस संबंध के जरिए हमारा प्रयास 'खादी बाइ रेमंड' को वैश्विक स्तर पर एक असली भारतीय फैशन फैब्रिक के तौर पर स्थापित करना है। रेमंड खादी सूट्स, जैकेट्स, शर्ट्स व ट्राउजर्स जैसे वस्त्रों एवं फैब्रिक ब्लेंड्स की व्यापक श्रृंखला की पेशकश करेगा, जो अंतर्राष्ट्रीय डिजाइन एवं क्वालिटी ट्रेंड्स के अनुकूल होंगे।"

खादी बाइ रेमंड के उत्पाद केवीआइसी आउटलेट्स, समूचे भारत के रेमंड शॉप्स एवं अग्रणी ईकॉमर्स पोर्टल्स में उपलब्ध होंगे।

इस अवसर पर श्री गौतम हरि सिंघानिया ने प्रोजेक्ट सहयोग के लिए चरखा दान किये , जबकि सूत कातने वाली बेरोजगार महिलाओं को खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा आजीविका का अवसर प्रदान किया गया। ★★

# आयोग द्वारा वाराणसी में दो नए प्रयास

तीन बैचों में प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा, प्रत्येक बैच में 50 महिलाओं को प्रशिक्षित किया जायेगा | प्रशिक्षण लेने के पश्चात इन्हें प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के अंतर्गत ऋण प्रदान कर रोजगार स्थापित करने में सहायता दी जायेगी |

### नमक प्रसंस्करण इकाई:

गाँधी आश्रम, सेवापुरी में नमक प्रसंस्करण इकाई का भी उदघाटन किया गया | इस इकाई में प्रति दिन 8 टन नमक का प्रसंस्करण किया जायेगा तथा कम आयोडीन वाला नमक एक किलो के पैकेट में प्राप्त होगा जिसकी न्यूनतम कीमत में बिक्री की जाएगी | इस उद्यम में 15 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रूप में रोजगार प्रदान किया जायेगा तथा 20 व्यक्तियों को अप्रत्यक्ष रूप में रोजगार प्रदान किया जायेगा | इस इकाई को अगले 15 दिनों में वाणिज्यिक उत्पादन केंद्र के रूप में प्रारंभ किया जायेगा |

★★

### सोलर चरखा प्रशिक्षण केंद्र:

हाल ही में सोलर चरखा प्रशिक्षण केंद्र का उदघाटन किया गया, जिसमें जयापुर गाँव में 50 सोलर चरखे वितरित किये गए | माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री श्री राज्यवर्धन सिंह ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया, इस अवसर पर आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना उपस्थित थे | इस प्रशिक्षण केंद्र में महिलाओं को

# वड़ोदरा में राज्य स्तरीय प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम प्रदर्शनी

श्री भारत डांगर, मेयर, वड़ोदरा द्वारा पारसी अगियारी ग्राउंड, वड़ोदरा में 2 दिसम्बर 2016 को राज्य स्तरीय प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम प्रदर्शनी का उदघाटन किया गया| यह प्रदर्शनी

भालनलकंठा खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, रनपुर के सहयोग से आयोजित की गयी थी|

श्री भारत डांगर, मेयर ने अपने उद्घाटन संबोंधन में अपने स्कूल के दिनों में खादी की कताई का स्मरण करते हुए लोगों से खादी खरीदने का अनुरोध किया|

इस अवसर पर आयोग के राज्य निदेशक श्री संजय हेडाऊ, संस्था संघ के सचिव श्री वल्लभभाई लखानी और श्री रणजीत सिंह भी उपस्थित थे|

राज्य निदेशक ने अपने संबोधन में कहा कि विमुद्रीकरण से प्रदर्शनी की बिक्री प्रभावित नहीं हुई है|

★★

# खादी हाटः
# ग्रामीण कारीगरों के उत्थान हेतु एक और पहल

महाराष्ट्र में दूर दराज़ क्षेत्रों के ग्रामीण कारीगरों की सहायता हेतु खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने मुंबई शहर के विले पार्ले स्थित अपने मुख्यालय में खादी हाट 2016 का आयोजन कर मदद का हाथ बढाया है जहाँ सम्पूर्ण महाराष्ट्र के दूर दराज क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीण कारीगर सामूहिक रूप से अपने पारंपरिक हाथ कागज़ की वस्तुओं की बिक्री कर रहे हैं | इस नव वर्ष में त्योहारों के अवसर पर क्रेताओं को जैविक एवं पर्यावरण के अनुकूल उत्पाद उपलब्ध कराने की दृष्टि से यह प्रदर्शनी 26 दिसंबर 2016 से 1 जनवरी, 2016 तक आयोजित की जा रही है|

इस अवसर पर संबोधित करते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि "शहरी बाजार में ग्रामीण कारीगरों को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार के कार्य न केवल देश की रचनात्मक विविधता में सामाजिक - आर्थिक एकता का कार्य करता है, अपितु चरखा कारीगरों के जीवन में सामंजस्य स्थापित कर उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाता है | जिसका जीवंत उदाहरण बाल सुधार गृह के ऐसे किशोर बच्चे हैं जिन्हें कताई का प्रशिक्षण प्रदान किया जिसने उन्हें वित्तीय स्वतंत्रता के साथ साथ उन्हें व्यवहारिक बदलाव लाकर उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बना दिया है|

उन्होंने हाल ही में खादी और ग्रामोद्योग आयोग तथा आर.ई.सी. के मध्य 21 दिसंबर 2016 को हुए समझौते के बारे में भी जानकारी दी, जो वाराणसी में कताई, बुनाई एवं परिधान निर्माण इकाई के समग्र

स्थापना हेतु 5.50 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता में वृद्धि करेगा|

खादी की बिक्री बढाने हेतु विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में युवाओं को जोड़ने के लिए उन्होंने बड़े संगठनों के साथ हुए समझौतों के बारे में जानकारी दी | यह युवाओं में पर्यावरण के अनुकूल मानसिकता तथा रूचि को बढ़ावा दे रहा है|

नोटबंदी के प्रभाव पर बोलते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री उषा सुरेश ने कहा कि , लेन देन के तरीके में बदलाव के कारण खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र बहुत अधिक प्रभावित नहीं हुआ है | विभागीय विक्रय केंद्र पहले से

ही इस तरह के डिजिटल लेनदेन को व्यवहार में ला चुके थे उदाहरण के तौर पर नई दिल्ली स्थित खादी और ग्रामोद्योग आयोग के प्रमुख स्टोर का लगभग 91 प्रतिशत खुदरा व्यवसाय डिजिटल व्यवहार के रूप में होता है | भ्रष्टाचार मुक्त प्रणाली बनाने का यह सबसे प्रभावी तरीका है |इसके अतिरिक्त उन्होंने खादी संस्थाओं और कारीगरों के लिए कैश लेश व्यवहार के लाभ के बारे में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के द्वारा आयोजित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं|

प्रदर्शनी में हर्बल उत्पादों स्वस्थ्यवर्धक आहार आकर्षक हाथकागज़, हस्तशिल्प, काष्ठशिल्प, चर्म उत्पाद अगरबत्ती, मधु (शहद) आचार, सांस्कृतिक विरासत, शिल्पकारी तथा खाद्य पदार्थों जो महाराष्ट्र के स्वाद को दर्शाता है, कि व्यापक किस्मों का प्रदर्शन किया गया है | यह इस तरह की पहली प्रदर्शनी है जो मुख्य रूप से महाराष्ट्र के ग्रामीण क्षेत्रों के कारीगरों, संस्थाओं तथा खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों के उत्पादन में लगे हुए उद्यमियों के लिए एक विपणन सहायता हेतु प्रदर्शित की गई है|

# पश्चिम क्षेत्र के आंचलिक समिति की बैठक

अहमदाबाद में 9 दिसंबर, 2016 को पश्चिम क्षेत्र के आंचलिक समिति की बैठक आयोजित की गई। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने बैठक की अध्यक्षता की, जहाँ उन्होंने पश्चिम क्षेत्र के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री वाई.के. बारामतिकर, महाराष्ट्र एवं गुजरात, राज्य कार्यालय के निदेशक श्री संजय हेडाऊ, गोवा के राज्य निदेशक श्री ए.एल. मीणा और मंडलीय कार्यालय नागपुर के निदेशक श्री आर.आर. गजभिये के साथ योजनाओं और कार्यक्रम के प्रगति की समीक्षा की। ★★

# डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की पुण्यतिथि मनायी गयी

आयोग के केंद्रीय कार्यालय, मुंबई में 06 दिसम्बर 2016 को डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की पुण्यतिथि समारोह का आयोजन किया गया. खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष, श्री विनय कुमार सक्सेना ने भारतीय संविधान के रचयिता को उनकी पुण्यतिथि पर श्रध्दा सुमन अर्पित कर उनका स्मरण किया तथा आयोग के सभी कर्मचारियों से बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के जीवन और उनकी शिक्षाओं से प्रेरणा लेने की अपील की।

# विमुद्रीकरण से नहीं हुई प्रभावित खादी की बिक्री

खादी और ग्रामोद्योग आयोग सम्पूर्ण देश में 7100 से अधिक बिक्री केन्द्रों के माध्यम से खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की बिक्री करता है इनमें से 14 बिक्री केन्द्र खादी और ग्रामोद्योग आयोग के हैं जिनमें से कनॉट प्लेस, नई दिल्ली स्थित बिक्री केंद्र प्रमुख है. इन बिक्री केन्द्रों में विगत वर्ष की तुलना में दिसंबर 2016 में 9.25% अधिक बिक्री दर्ज की है|

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री वी.के. सक्सेना ने कहा कि केंद्रीय सरकार के 1000/-रू. और 500/- रू. के नोट के विमुद्रीकरण का खादी की बिक्री पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा | उन्होंने आगे कहा कि प्रारंभ में दो-तीन दिन बिक्री थोड़ी सी प्रभावित हुई तथापि शीघ्र ही डिजिटल भुगतान की प्रणाली से इस परिस्थिति को सुलझा लिया गया | डिजिटल भुगतान के माध्यम से 2000/- रू. से अधिक की खरीदारी करने पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा इंसेंटिव स्कीम लागू की गयी है जिसके अंतर्गत निश्चित उपहार की शुरुआत की गयी है| खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने डिजिटल माध्यम से भुगतान करने पर अपने विभागीय बिक्री केन्द्र में 1% अतिरिक्त छूट की भी अनुमति प्रदान की है|

नई दिल्ली स्थित 'खादी इंडिया बिक्री केंद्र', ने विगत वर्ष की तुलना में इस वर्ष दिसंबर 2016 के दौरान 14% बिक्री में वृद्धि दर्ज की है | दिसंबर 2015 में 4.84 करोड़ रू. की बिक्री तथा दिसंबर 2016 में 5.52 (27 दिसंबर तक) रु. तक बिक्री दर्ज हुई है| इसी तरह नवम्बर 2015 में 6.25 करोड़ रु. तक एंव नवम्बर 2016 में 6.48 करोड़ रु. की बिक्री पंजीकृत हुई है | नवम्बर 2015 में केशलेस (क्रडिट /डेबिट कार्ड के माध्यम से भुगतान) प्रणाली से भुगतान करने से 50% से कम की बिक्री हुई थी तथा जब कि इसी अवधि के दौरान 2016 में 90% से अधिक बिक्री हुई|

विगत डेढ़ माह के दौरान खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने खादी संस्थाओं और कारीगरों के लाभ हेतु अपने सभी क्षेत्रों में कैशलेस ट्रांजेक्शन करने के लिए जागरूकता शिविर और कार्यशालाओं का आयोजन किया तथा बहुत सी जगहों पर खादी कारीगरों को डेबिट कार्ड भी संवितरित किये गए|

★★

## 'देवी पुरस्कार' विजेताओं को हार्दिक शुभकामनाएं.....

आयोग के अध्यक्ष, श्री विनय कुमार सक्सेना ने 16 दिसम्बर 2016 को नई दिल्ली में आयोजित 'देवी पुरस्कार' कार्यक्रम में भाग लिया. खादी इंडिया की साझेदारी और सन्डे स्टैण्डर्ड द्वारा आयोजित यह पुरस्कार समारोह देश भर से चयनित असाधारण महिलाओं को उनके साहस, क्रियाशीलता और नवपरिवर्तन के लिए दिया जाता है. सभी पुरस्कार विजेताओं को खादी और ग्रामोद्योग आयोग की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं.

# कुरनूल जिले में खादी कारीगरों के लिए जागरूकता शिविर

8 नवम्बर 2017 की मध्य रात्री से 1000/-रू. तथा 500/-रू. के नोट का विमुद्रीकरण होने से दक्षिण क्षेत्र के ग्रामीण खादी कारीगरों को कैशलेस ट्रांजेक्शन जैसे एटीएम कार्ड/ क्रेडिट कार्ड स्वाइप करने तथा इसके महत्त्व के बारे में जागरूक करने के लिए विभिन्न जागरूकता शिविरों को आयोजित करने का निर्णय लिया गया है|

बनागनपल्ले ग्राम, कुरनूल जिला, आन्ध्र प्रदेश में 6 दिसंबर 2016 को प्रथम बार जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, इस कार्यक्रम में दक्षिण क्षेत्र के सदस्य (खा.ग्रा.आ.) श्री जी. चंद्रमौली मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे|

इस कार्यक्रम में राज्य कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के उप निदेशक श्री एम. भूमैयाह, सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया, कुरनूल के प्रबंधक श्री के.पी.के. सत्यनारायण, पंचायत राज विभाग के कार्यकारी अभियंता श्री महेश्वर रेड्डी भी उपस्थित थे|

इस कार्यक्रम में आन्ध्र प्रदेश राज्य के कुरनूल जिला, रायलसीमा क्षेत्र की खादी संस्थाओ के 300 खादी कारीगर तथा प्रतिनिधि उपस्थित थे | इस कार्यक्रम में खादी संस्थायें जैसे खादी ग्रामोद्योग समिति, बनागनपल्ले; कुरनूल जिला खादी ग्रामोद्योग समिति, कुरनूल; रायलसीमा ग्रामीण विकास मंडली, कुरनूल; ग्राम स्वराज्य संघम, बनागानपल्ले; खादी ग्रामोद्योग समिति, कोइल्कुन्तला; श्री राजेश्वरी खादी सेवा समिति, मद्दिकेरा, कुरनूल जिला ने भाग लिया|

कार्यक्रम में खादी कारीगरों को डेबिट कार्ड जारी किये गए | सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया के प्रबंधक ने कारीगरों को डेबिट कार्ड को स्वाइप करने के सम्बन्ध में और इसके लिए किस तरह से सावधानी बरतनी है और बचत खाते की किस तरह से अनुरक्षा करनी है इस सम्बन्ध में बताते हुए उनके कैशलेस मनी ट्रांसफर की व्यक्तिगत शंकाओं का भी समाधान किया| ★★

# 'आराध्य' बोरीवली डिजाइन मेले में बिखरी खादी की रौनक

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने आदित्य ग्रुप संस्थानों द्वारा 16 से 18 दिसम्बर 2016 तक आयोजित 'आराध्य' बोरीवली डिजाइन मेले में भाग लिया. इस मेले का उद्देश्य जनता में डिजाइन, सृजनात्मकता, कला और वास्तुशिल्प के बारे में जागरूकता लाना है|

उत्तरप्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री राम नायक ने इस मेले का उद्घाटन किया | पद्मम भूषण से सम्मानित नामचीन वास्तुकार श्री हफीज कांट्रेक्टर का मुख्य अतिथि के द्वारा स्वागत किया गया|

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने आदित्य कॉलेज के विद्यार्थियों को खादी के प्रति जागरूक किया. कॉलेज के इस तीन दिन के समारोह में विद्यार्थियों ने खादी पर नारे लगाये, ग्लोबल वार्मिंग और खादी पर भाषण दिये एंव खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों के स्टाल स्थापित किये, कॉलेज की वेबसाइट और उनके स्मारिका पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग का 'लोगो' भी लगाया|

# मायाबंदर में उत्तर एवं मध्य अंडमान जिलों के लिए जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की 58वीं बैठक

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत उत्तर एंव मध्य अंडमान जिला से प्राप्त ऋण आवेदनों को कार्यान्वित करने के लिए उपायुक्त (उत्तर-मध्य अंडमान) भारतीय प्रशासनिक सेवा, श्री अरवा गोपी कृष्ण की अध्यक्षता में मायाबंदर जिला कार्यालय में 7 दिसम्बर, 2016 को जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की 58वीं बैठक संचालित की गई|

उद्योग विभाग के संयुक्त सचिव श्री अजित आनंद, अंडमान और निकोबार राज्य सहकारी बैंक के प्रबंध निदेशक श्री रविन्द्र राव, प्रबंधक (विकास) श्री ओमकार नाथ, मधुपुर ग्राम पंचायत के प्रधान श्री श्यामल देबनाथ, ग्राम पंचायत सबरी के प्रधान श्री माधब मॉल, डोल्लुगुन्ज में स्थित सूक्ष्म, लघु एंव मध्यम उद्यम- डी.आई. के सहायक निदेशक श्री जे. चंद्रमौली तथा एन.वाई.के.एस.,बैंक और उद्योग विभाग से प्रतिनिधि तथा अन्य सदस्य उपस्थित थे|

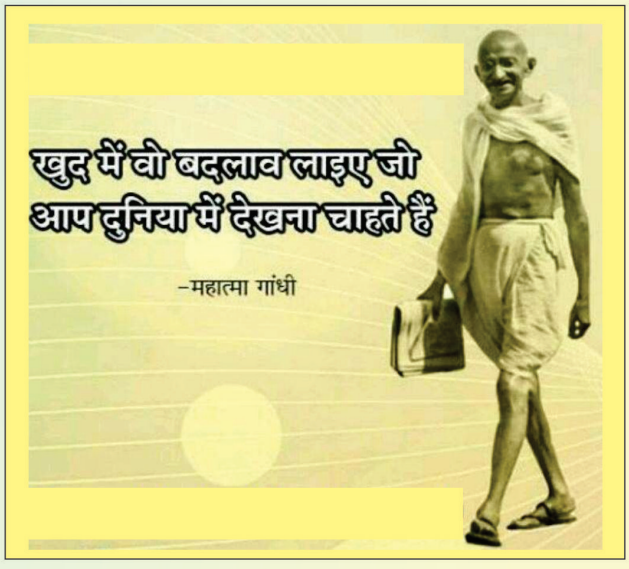

# कैशलेस ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने हेतु

## आयोग के मुख्यालय, मुंबई एवं राज्य कार्यालयों में पेटीएम, कारपोरेशन बैंक, भारतीय स्टेट बैंक द्वारा एक कार्यशाला एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया

**STATE OFFICE, SHIMLA**

**Moves towards Cashless Transaction.**
**Digital Payment is the order of the day.**

Digital India
Power To Empower

***Organised By :***
**KHADI & VILLAGE INDUSTRIES COMMISSION**
*Cleave Land, Chaura Maidan, Shimla, 171004 (H.P.)*
*Tele Fax No. 0177 - 2652320 - 2806528*
*e-mail: so.kvicshimla@gmail.com*

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

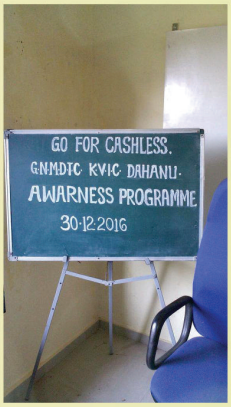


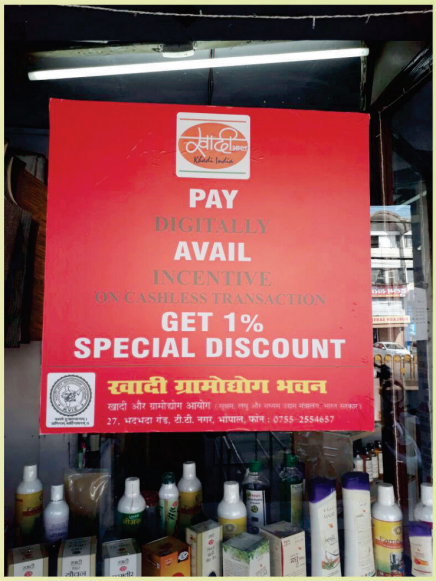

# कैशलेस ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने हेतु जागरूकता शिविर का आयोजन

# कैशलेस ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने हेतु जागरूकता शिविर का आयोजन

# आई.टी.पी.ओ. द्वारा सिक्किम में आयोजित प्रदर्शनी में आयोग ने भाग लिया

दिनांक 16 से 25 दिसम्बर 2016 तक सिक्किम राज्य की राजधानी गंगटोक में भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन द्वारा आयोजित 8वें हिमालयन एक्सपो में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के राज्य कार्यालय, गंगटोक ने भाग लिया।

इस प्रदर्शनी का उदघाटन माननीय पर्यटन, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, सिक्किम सरकार ने किया।

# आयोग की 640वीं बैठक का कार्यवृत्त

**खादी और ग्रामोद्योग आयोग की दिनांक 24 दिसम्बर 2017 को नई दिल्ली में सम्पन्न 640वीं बैठक की अध्यक्षता श्री विनय कुमार सक्सेना, अध्यक्ष, खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा की गई। उपरोक्त बैठक में आयोग के निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे: श्री जय प्रकाश तोमर, आंचलिक सदस्य (मध्य अंचल), श्री जी. चन्द्रमौलि, आंचलिक सदस्य (दक्षिण अंचल), डॉ संगीता कुमारी, आंचलिक सदस्य (पूर्व अंचल), श्री नारायण सी. बोरकाटकी, आंचलिक सदस्य (पूर्वोत्तर अंचल), श्री राजेंद्र प्रताप गुप्ता, विशेषज्ञ सदस्य (विपणन), श्री एस. कल्याणराम, उप महा प्रबंधक, स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया, श्री बी.एच. अनिल कुमार, संयुक्त सचिव (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम), श्री दी.पी.एस. नेगी, आर्थिक सलाहकार (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम), श्रीमती ऊषा सुरेश, वित्तीय सलाहकार/मुख्य कार्यकारी अधिकारी, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, श्री मोहित जैन, मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री सत्यपाल, आयोग के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, खादी और ग्रामोद्योग आयोग एवं आयोग के सभी उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी.**

अध्यक्ष, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने श्री राजेन्द्र प्रताप गुप्ता को बधाई दी और स्वागत किया, जो भारत सरकार में आयुष मंत्रालय में सलाहकार हैं और 'सार्वजनिक नीति' के भी विशेषज्ञ हैं, जिन्होंने खादी और ग्रामोद्योग आयोग में विशेषज्ञ सदस्य (विपणन) के तौर पर कार्यभार ग्रहण किया है। उन्होने श्री डी.पी.एस. नेगी, आर्थिक सलाहकार (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय) का भी खादी और ग्रामोद्योग आयोग की 640वीं बैठक में स्वागत किया। श्री सत्यपाल, जिन्होंने खादी और ग्रामोद्योग आयोग में संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी का पदभार ग्रहण किया है, उनको भी बधाई दी गई और इसके बाद आयोग के सभी सदस्यों ने अपना परिचय दिया।

- आयोग ने दिनांक 28 अक्तूबर, 2016 को आयोजित आयोग की 638वीं बैठक में लिए गए विभिन्न निर्णयों पर की गई कार्रवाई रिपोर्ट को नोट किया।
- आयोग ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग तथा खादी और ग्रामोद्योग मंडलों की खादी और ग्रामोद्योगी संस्थाओं तथा विभागीय इकाइयों के वर्ष 2017-18 के लिए बजट दिशानिर्देशों को अनुमोदित करने के संबंध में बजट निदेशालय के प्रस्ताव पर विस्तारपूर्वक चर्चा की और निम्नानुसार लक्ष्यों तथा समयावधि को अंतिम रूप दने के लिए कार्यनीतियों को अनुमोदित किया:

१. लक्ष्यों के निर्धारण के लिए कोई भी राज्य स्तरीय बजट टीम (एलएलबीटी) नहीं होगी और खादी और ग्रामोद्योग आयोग के क्षेत्रीय कार्यालयों के राज्य/ मंडलीय निदेशक/ प्रभारी विगत वर्ष के उत्पादन एवं बिक्री कार्यनिष्पादन पर अर्थात वर्ष 2016-17 में संस्थाओं द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार 20 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए वर्ष 2017-18 के लिए लक्ष्य निर्धारित करेंगे। तथापि, लक्ष्यों को वांछित अधोसंरचना की उपलब्धता के साथ जोड़ा जाना चाहिए।

2. यदि किसी संस्था को अतिरिक्त चरखों, करघों इत्यादि के लिए केआरडीपी/स्फूर्ति/कमजोर खादी संस्थाओं हेतु सहायता अथवा किसी अन्य योजनाओं के अधीन सहायता प्राप्त हुई है तो विगत वर्ष अर्थात 2016-17 के लक्ष्यों में 30 प्रतिशत की वृद्धि की जा सकती है।

3. उपरोक्त क्रम संख्या 1 एवं 2 पर उल्लिखित शर्तों के अनुसार, सीधी सहायता प्राप्त के साथ-साथ खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड से सहायित संस्थाओं का बजट आवंटन खादी और ग्रामोद्योग आयोग के राज्य/ मंडलीय कार्यालयों द्वारा जारी किया जाएगा।

4. संस्था के पास पर्याप्त मात्रा में अधोसंरचना होनी चाहिए, जिसमें चरखा, करघा, कत्तिन और बुनकर, कार्यशील पूंजी की उपलब्धता इत्यादि शामिल है। संस्थाओं को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि कारीगरों को भारत सरकार द्वारा घोषित किसी

सामाजिक सुरक्षा उपायों, आधार सहबद्ध बैंक खातों अथवा डाकघर खातों के अधीन शामिल किया गया है। संस्थाओं को खादी मार्क पंजीयन भी प्राप्त करना चाहिए। उन्हें नीति आयोग से दर्पण योजना के अधीन विशिष्ट आईडी भी प्राप्त करना चाहिए।

5. राज्य/मंडलीय निदेशक इस कार्य को 28 फरवरी, 2017 तक पूर्ण करेंगे। बजट आवंटन जारी किए जाने के उपरान्त सीधी सहायता प्राप्त तथा बोर्ड से सहायता प्राप्त संस्थाओं के लिए पृथक तौर पर समेकित विवरणों को आचंलिक कार्यालयों को भेजा जाना चाहिए, जिससे कि इसे आंचलिक समिति की बैठक में रखा जा सके। आंचलिक समिति के समेकित विवरण को मुख्यालय में संबंधित कार्यक्रम निदेशकों को 31 मार्च, 2017 तक अग्रेषित किया जाएगा।
6. समेकित विवरण की प्राप्ति पर, केन्द्रीय कार्यालय में कार्यक्रम निदेशक प्रस्ताव की जांच करेंगे और इसे स्थायी वित्त समिति की माह अप्रैल 2017 में आयोजित होने वाली बैठक में रखे जाने के पूर्व पत्रावली पर वित्त, वित्तीय सलाहकार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा माननीय अध्यक्ष का अनुमोदन प्राप्त करेंगे।
7. मंत्रालय से प्राप्त योजना दिशानिर्देश के अनुसार, संशोधित एमडीए दिशानिर्देश स्थायी वित्त समिति द्वारा अनुमोदित उत्पादन लक्ष्यों पर अनुमन्य होंगे। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के क्षेत्रीय कार्यालयों के राज्य/ मंडलीय निदेशक/प्रभारी द्वारा जारी आईसेक प्रमाणपत्र के आधार पर बैंक वित्त की सुविधा पाने के लिए संस्थाएं आईसेक योजना के अनुसार ब्यास सब्सिडी के लिए भी पात्र होंगी।
8. निदेशक बजट आयोग के उपरोक्त निर्णय के आधार पर उपयुक्त बजट दिशानिर्देशों का मसौदा बजट दिशानिर्देश में प्रस्तावित शर्तों व निबंधनों के क्रम में जारी करेंगे। ग्रामोद्योग के अधीन जारी कार्यक्रमों के लिए बजट दिशानिर्देश यथाप्रस्तावित ही रहेंगे। राज्य/मंडलीय निदेशक/प्रभारी उपरोक्त निर्धारित समयावधि के भीतर बजट संबंधी कार्य को अंतिम रूप देने के लिए, संस्था की प्रोफाइल, पूर्व के कार्यप्रदर्शन, उपलब्ध उपकरणों व उपस्करों एवं कारीगरों से संबंधित आवश्यक जानकारी को निर्दिष्ट फॉर्मेट में प्राप्त करेंगे।

- आयोग ने मैसर्स एटोस इंडिया प्रा.लि. द्वारा किए गए प्रस्तुतीकरण को गहराई से अवलोकन करने के उपरान्त केआरडीपी के अधीन 'केवीआईसी में एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) डिजाइन विकास, संस्थापन, कार्यान्वयन और सहायता' के लिए मैसर्स एटोस इंडिया प्रा.लि., मुंबई को अभिकरण के तौर पर कार्य सौंपने हेतु सूचना प्रौद्योगिकी निदेशालय के प्रस्ताव पर चर्चा की।

- आयोग ने पुलियनगुड़ी सर्वोदय संघ, तमिलनाडु की सभी परिसंपत्तियों और देयताओं को बिना शर्त अपने हाथ में लेने पुलियनगुड़ी सर्वोदय संघ को इसकी मूल इकाई संकरनकोइल सर्वोदय संघ, तमिलनाडु के साथ समामेलित/विलय करने के संबंध में खादी निदेशालय के प्रस्ताव पर चर्चा की और इसका अनुमोदन किया, जिसमें संस्था के सभी कर्मचारी सदस्यों का संविलियन तथा पुलियनगुड़ी सर्वोदय संघ, तमिलनाडु की सभी बकाया राशि की खादी और ग्रामोद्योग आयोग को अदायगी/निबटान भी शामिल है।
- आयोग ने यह भी निर्देश दिया कि संपत्तियों के पंजीकृत मूल्यांकन-कर्ता के माध्यम से सभी संपत्तियों की कीमत का आकलन किया जाए।
- आयोग ने अप्रैल 2016 से नवंबर 2016 की अवधि के लिए भुगतान एवं प्राप्तियों के संबंध में लेखा निदेशालय के संक्षिप्त विवरणों को नोट किया।
- आयोग ने मेल-टूडे, इंडिया-टूडे समूह द्वारा होटल ताज पैलेस, नई दिल्ली में आयोजित किए गए कार्यक्रम 'मेक इन इंडिया-फैशन सम्मेलन 2016' को प्रायोजित करने पर हुए खर्च रु.20.00 लाख की स्वीकृति के लिए प्रचार

निदेशालय का प्रस्ताव पर चर्चा की और इसका अनुसमर्थन किया।

- आयोग ने बंद व्यापार लेखों के विलय/चुकता करने संबंधी लेखा-परीक्षा निदेशालय के प्रस्ताव पर चर्चा की और निम्नानुसार अनुमोदन किया:

1. ग्रामशिल्प, नई दिल्ली (कोड सं.823) के बंद व्यापार लेखा का खादी ग्रामोद्योग भवन, नई दिल्ली (कोड सं.701) के साथ विलय।
2. खादी कच्चा माल निदेशालय (ऊन) के लेखा बहियों में आवश्यक प्रविष्टियाँ करके खादी कच्चा माल निदेशालय के कच्चा माल (ऊन) (कोड सं.720) की बंद व्यापार इकाई के खातों को चुकता करना।
3. तीन विभागीय व्यापार इकाइयों अर्थात् (1) केन्द्रीय पूनी संयंत्र, दौसा (कोड सं.778) - रु.8, 15,254.46 (2) केन्द्रीय पूनी संयंत्र, सहरसा (कोड सं.767) - रु.1, 28,667.04, (3) चर्मशिल्प, लखनऊ (कोड सं.814) - रु.892.10 के 'प्रारंभिक व्यय' का हिसाब चुकता करना।
4. चूंकि हाजीपुर एक कार्यरत इकाई है, इसके लेखों को पूंजीकृत किए जाने की जरूरत है।

समूह "क" अधिकारियों को एमएसीपी योजना के अंतर्गत वित्तीय उन्नयन प्रदान करने हेतु प्रशासन निदेशालय का प्रस्ताव। आयोग ने समूह "क" अधिकारियों को एमएसीपी योजना के अंतर्गत वित्तीय उन्नयन प्रदान करने हेतु जांच समिति की दिनांक 24/6/2016 और 8 तथा 9 दिसंबर 2016 को सम्पन्न बैठक के कार्यवृत्त पर चर्चा कर इसे अनुमोदन प्रदान किया।

1. आयोग ने संयुक्त सचिव(एमएसएमई) की इस टिप्पणी को नोट किया कि अधिकारियों कर्मचारियों के एसीपी/एमएसीपी संबंधी मामले की प्रक्रिया समयबद्ध ढंग से की जानी चाहिए तथा प्रशासनिक अथवा प्रक्रियागत चूक के कारण हुए विलंब का प्रभावी तिथि से 3 माह के भीतर समाधान कर दिया जाना चाहिए।
2. आयोग ने अध्यक्ष महोदय की भी इस टिप्पणी को नोट किया कि अधिकारियों कर्मचारियों को एसीपी/एमएसीपी का लाभ देने संबंधी मामले का निपटान मनमानी पूर्वक किया जा रहा है, जिस कारण पात्र अधिकारियों कर्मचारियों के एसीपी/एमएसीपी संबंधी मामलों को अंतिम रूप देने में विलंब हो रहा है। अतः आयोग ने इस मामले की जांच कर अध्यक्ष महोदय को रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग तथा रेमंड लिमिटेड के बीच मुंबई में दिनांक 6/12/2016 को करार पर हुए हस्ताक्षर के संबंध में जानकारी देने हेतु विपणन निदेशालय का प्रस्ताव।

1. आयोग ने रेमंड शोरूम के माध्यम से खादी उत्पादों की बिक्री हेतु खादी और ग्रामोद्योग आयोग तथा मैसर्स रेमंड लिमिटेड के मध्य दिनांक 6 दिसंबर 2016 को मुंबई में करार पर हुए हस्ताक्षर को नोट किया।
2. आयोग को इस बात से भी अवगत कराया गया कि मैसर्स अरविंद मिल्स तथा मैसर्स आदित्य बिरला ग्रुप(पीटर इंग्लैंड ब्रांड ) के साथ हुई चर्चा अपने अंतिम चरण में है तथा शीघ्र ही साझेदारी की जा सकती है।

डीपीसी (समूह "क" के अधिकारी) की सिफारिशों को अनुमोदित करने तथा संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद हेतु पदोन्नति आदेश जारी करने के संबंध में अनुवर्ती कारवाई का अनुसमर्थन करने हेतु प्रशासन निदेशालय का प्रस्ताव। आयोग ने संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी हेतु डीपीसी की दिनांक 5 मार्च 2016 को हुई बैठक में डीपीसी की सिफारिशों पर चर्चा कर इसे अनुमोदन प्रदान किया।

केंद्रीय पूनी संयंत्र, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, हाजीपुर को कॉटन सीजन के दौरान कपास एवं पीएसएफ खरीदने हेतु अस्थायी अग्रिम के रूप में रू.1.76 करोड़ स्वीकृत करने हेतु खादी कच्चा माल निदेशालय का प्रस्ताव।

आयोग ने केंद्रीय पूनी संयंत्र, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, हाजीपुर को कॉटन सीजन के दौरान कपास एवं पीएसएफ खरीदने हेतु लेखा निदेशालय के पास उपलब्ध एमडीए निधि से उचित पुनरोद्धार योजना प्रस्तुत करने के सापेक्ष अस्थायी अग्रिम के रूप में रू.1.76 करोड़ की स्वीकृति को

इस शर्त पर अनुमोदन प्रदान किया था कि केंद्रीय पूनी संयंत्र, हाजीपुर को अगले वित्तीय वर्ष (वर्ष 2017-18) के प्रारंभ में आयोग को अस्थायी अग्रिम में से रु.1.76 करोड़ की निधि लौटानी होगी।

आयोग ने अन्य 05 केंद्रीय पूनी संयंत्रों को भी कॉटन सीजन के दौरान कपास व पीएसएफ खरीदने संबंधी उनकी मांग का मूल्यांकन करने के पश्चात उन्हें भी लेखा निदेशालय के पास उपलब्ध एमडीए निधि से रु.1.00-1.00 करोड़ का अस्थायी अग्रिम, यदि आवश्यक हो तो, प्रदान करने का निर्णय लिया।

आयोग ने सभी केंद्रीय पूनी सयन्त्रों को लागत में कमी करने जैसे कि विद्युत उपभोग में कमी, संसाधनों के अधिकतम उपयोग, उत्पादकता में वृद्धि, अपशिष्ट पदार्थों के प्रभावी पुनर्चक्रण इत्यादि सहित जनशक्ति में कमी इत्यादि जैसे उपायों पर सक्रियता से कार्य करने का निर्देश दिया।

आयोग ने सदस्य (दक्षिण अंचल) की इस टिप्पणी को नोट किया कि तकनीकी कर्मचारियों के लिए गहन प्रशिक्षण का आयोजन किया जाना चाहिए।

आयोग ने सदस्य (दक्षिण अंचल) की इस टिप्पणी को नोट किया कि मैसर्स एसआईपीपीओ, एक तकनीकी अभिकर, द्वारा सीएसपी, चित्रदुर्ग के प्रचालन के संबंध में किए गए अध्ययन से यह जानकारी मिलती है कि उपरोक्त संयंत्र का प्रचालन कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अवैज्ञानिक ढंग से चलाया जा रहा था, जिस कारण महंगी और खराब गुणवत्ता की पूनी का उत्पादन किया जाता था। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्रीय पूनी, संयंत्र द्वारा अनुबंध आधार पर नियुक्त अकुशल श्रमिक मुख्य कार्यदल हैं, जबकि नियमित प्रशिक्षित श्रमिक का उत्पादन में कोई विशेष योगदान नहीं होता है, इस प्रकार पूनी की गुणवत्ता खराब होती जा रही है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि बीटी कॉटन की गुणवत्ता अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग है। इसलिए इस विषमता को दूर करने के लिए तकनीकी सहायता दी जानी चाहिए तथा एक समान उच्च गुणवत्ता वाली पूनी का उत्पादन किया जाना चाहिए।

1. सदस्य (दक्षिण अंचल) ने यह भी विचार व्यक्त किए कि केंद्रीय पूनी संयंत्रों में पदस्थ स्थायी श्रमिकों/कर्मचारियों का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए और बाहर से अनुबंध के आधार पर की जाने वाली श्रमिकों की नियुक्ति का चलन समाप्त किया जाना चाहिए।

2. आयोग ने संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी के अवलोकनों को नोट किया कि पश्चिम बंगाल स्थित खादी और ग्रामोद्योगी संस्थाएं सूत कताई की गतिविधियों से बच रही हैं और वे तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों से तैयार सूत की खरीद कर रही हैं, वह भी बार्टर प्रणाली का उपयोग करते हुए सिल्क यार्न की आपूर्ति के बदले में ऐसा कर रही हैं, जिसके कारण एमडीए का फायदा केवल बुनकरों तक ही सीमित है और असली कत्तिन इस लाभ से वंचित हो रहे हैं।

3. आयोग ने उक्त मामले पर संयुक्त सचिव (एमएसएमई) के अवलोकनों को भी नोट किया और निर्देशित किया कि एमडीए इस बात का सत्यापन किए जाने के उपरांत ही जारी किया जाना चाहिए कि संस्थाओं द्वारा तमिलनाडु और केरल राज्यों से पश्चिम बंगाल में मंगाया गया यार्न असली खादी यार्न हैं।

**अनुलग्नक-I**

**आयोग की दिनांक 23 नवंबर 2016 को नई दिल्ली में संपन्न 639 वीं बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि करते समय जिन मामलों पर की गयी चर्चा तथा निर्णय लिया गया।**

१.केंद्रीय पूनी संयंत्रों को अग्रिम एमडीए राशि प्रदान करने हेतु प्रायोगिक योजना की अवधि को 3 माह अर्थात नवंबर 2016 से जनवरी 2017 तक बढ़ाने के संबंध में खादी कच्चा माल निदेशालय का प्रस्ताव। आयोग ने उक्त विषय पर चर्चा की तथा नवंबर 2016 से जनवरी 2017 तक तीन माह की अवधि के लिए केन्द्रीय पूनी संयंत्रों को अग्रिम एमडीए प्रदान करने के प्रस्ताव पर अपने निर्णय को दोहराया तथा संयुक्त सचिव द्वारा सुझाए गए अनुसार सौर चरखा इकाइयों को पूनी की सुगम आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयास के प्रभाव का अध्ययन करने के साथ-साथ वर्ष 2016-17 की तृतीय

तिमाही से, एमडीए को नई एमडीए दिशानिर्देशों के अनुसार एमएमडीए में परिवर्तित करने हेतु प्रभावों के अध्ययन हेतु एक समिति का गठन करने का निर्णय लिया।

- मैसर्स एस. पी. जैन प्रबंधन संस्थान को चार महीने अर्थात दिनांक 01.03.2016 से 30.06.2016 तक पीएमसी में दी गई सेवाओं के लिए व्यवसाय शुल्क के रूप में रु.5.75 लाख जारी करने हेतु खा.ग्रा.आयोग, मुंबई, में दिनांक 28.10.2016 को आयोजित स्थायी वित्त समिति (सामान्य एवं विविध) (2016-17) की सातवी बैठक में दिए गए अनुमोदन के कार्यवृत की पुष्टि करना. आयोग ने उपरोक्त विषय पर संयुक्त सचिव (एआरआई) की इस टिप्पणी को नोट किया कि मंत्रालय ने पहले ही जीएफआर के तहत एकल स्रोत के आधार पर एसपी जैन संस्थान के चयन के लिए अपर्याप्त कारणों के संबंध में अपने निर्णय से अवगत करा दिया था, फिर भी आयोग ने पेशेवर शुल्क के तौर पर रु.5.75 लाख मैसर्स एस.पी. जैन प्रबंधन संस्थान को पीएमसी में उनके द्वारा प्रदान की गई 01-03-2016 से 30-02-2016 की अवधि के लिए चार माह की सेवाओं हेतु जारी करने को अनुमोदित किया। इसलिए इस विषय पर मंत्रालय द्वारा अंतिम निर्णय लिए जाने तक आयोग के निर्णय को रोक कर रखा जा सकता है।

नियमित स्थापना के तहत खादी और ग्रामोद्योग आयोग के कर्मचारियों के साथ–साथ पेंशनरधारकों/ पारिवारिक पेंशनधारकों को 7वें वेतन आयोग का लाभ देने के संबंध में प्रशासन निदेशालय का प्रस्ताव। आयोग ने इस मुद्दे पर संयुक्त सचिव (एआरआई) की इस टिप्पणी का अवलोकन किया कि चूंकि वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट रूप से सभी स्वायत्त निकायों/संस्थानों को अपने कर्मचारियों को 7वें वेतन आयोग का लाभ देने के निर्णय को आस्थगित रखने के लिए कहा है, इसलिए आयोग को वित्त मंत्रालय की मंजूरी के बिना इस तरह के प्रस्तावों को मंजूर नहीं करना चाहिए।

- विशेष श्रेणी के तहत प्रशिक्षुओं के लिए बजटीय सहायता से प्रशिक्षण व्यय को पूरा करने तथा कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित सफल उम्मीदवारों के लिए जारी किए जाने वाले प्रमाण पत्र के प्रारूप को मंजूरी हेतु परिपत्र संख्या सीबी/एसडीपी दिशा-निर्देश/2016-17/ दिनांक 21.10.16 में किए गए परिवर्धन के संबंध में क्षमता निर्माण निदेशालय के प्रस्ताव की पुष्टि करना।

१. आयोग ने मानक प्रशिक्षण मॉड्यूल अर्थात राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) तथा राष्ट्रीय मानक योग्यता (एनएसएफक्यू) के अनुपालन सहित केवीआई सेक्टर के प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रशिक्षण सुविधाओं को प्रभावी बनाने हेतु समिति के गठन के संबंध में संयुक्त सचिव (एआरआई) के पैरा संख्या 5 पर अवलोकनों पर सहमति जताई ताकि भारत सरकार के "प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु सहायता" के अधीन खादी और ग्रामोद्योग आयोग प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकें, और एनएसडीसी और एनएसएफक्यू के साथ आपसी समन्वय में कार्य करने हेतु उक्त समिति का गठन तत्काल किया जा सके।

२. आयोग ने केवीआईसी/मानव संसाधन विकास कार्यक्रम के शुभारम्भ हेतु भारत के नीति आयोग के परामर्श से मुख्य व्यापारिक क्षेत्रों को चिन्हित करने हेतु पैरा सं. 6 के निर्णय पर संयुक्त सचिव (एआरआई) के अवलोकनों पर सहमति व्यक्त की तथा इस विषय के संबंध में प्रस्तुत किया गया विवरण किसी भी निर्णय पर पहुँचने के लिए अपर्याप्त है।

आयोग द्वारा अपने कार्य क्षेत्र में नवीन ऊर्जावान कार्य क्षमता का प्रदर्शन करने वाली 10 असाधारण महिलाओं को देवी अवार्ड्स देने के अवसर पर "टाइटल पार्टनर" के रूप में विज्ञापन के प्रयोजन हेतु 25.00 लाख रुपए तक के खर्च के अनुमोदन की प्रत्याशा की पुष्टि करने हेतु प्रचार निदेशालय का प्रस्ताव।

आयोग ने इस पर विचार-विमर्श किया एवं संयुक्त सचिव (एआरआई) के इस अवलोकन पर सहमति जतायी कि उचित शीर्ष, जिसके अंतर्गत लेखों को अनुमोदित किया जाना है और अनुमोदन के स्तर की स्पष्ट जानकारी दी जानी चाहिए एवं पुरस्कारों को कितने दर्शकों ने देखा तथा लोकप्रियता को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।

प्रशासन निदेशालय का प्रस्ताव (१) खादी और ग्रामोद्योग आयोग के लिए विशिष्ट क्षेत्रों में निदेशकों के ०६ पदों को प्रतिनियुक्ति के आधार पर ०३ वर्ष की अवधि के लिए भरना, जिसे आवश्यकता पड़ने पर नियमानुसार बढ़ाया जा सके (२) एक वर्ष से अधिक समय से रिक्त निदेशकों के ०८ पदों को भरना।

आयोग ने प्रस्ताव पर चर्चा की और वेतन-बैंड 3 (रु.15600-39100) तथा ग्रेड-वेतन रु.7600/- में निम्नलिखित पदों पर तीन वर्ष की अवधि हेतु, जिसे आवश्यकतानुसार तथा नियमानुसार विस्तारित किया जा सकता हो, केवीआईसी में प्रतिनियुक्ति के आधार निदेशकों के छह पदों को भरने के लिए प्रशासन निदेशालय के प्रस्ताव को अनुमोदित किया

(1)निदेशक(विपणन) - 1 पद

(2) निदेशक (मीडिया) - 1 पद

(3) निदेशक (विधिक) - 1 पद

(4) निदेशक (टेक्सटाइल/खादी) - 2 पद

(एक मुख्यालय हेतु और एक पूर्वोत्तर अंचल हेतु)

(5)निदेशक (प्रशासन) - 1 पद

आयोग ने उस प्रस्ताव को भी अनुमोदित किया जिसमें एक वर्ष से अधिक की अवधि से रिक्त निदेशकों के 8 पदों को भरने के संबंध में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय से अनुमोदन सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के पत्र संख्या एफ-12011/27/2016-केवीआई-पी दिनांक 13.6.2016 के क्रम में मांगा गया है।

आयोग ने निर्णय लिया कि प्रतिनियुक्ति पर अधिकारियों को नियुक्त करने के लिए एक जांच और चयन समिति का गठन किया जाएगा। चयन समिति में बाहरी विशेषज्ञ भी शामिल होंगे।

1) सीधी भर्ती में विभिन्न संवर्गों के अधीन 344 पदों को मैसर्स एडसिल (इंडिया) लि. नोएडा के माध्यम से नामांकन आधार पर भरने के संबंध में प्रशासन निदेशालय का प्रस्ताव। आयोग ने मामले पर संयुक्त सचिव (एआरआई) के अवलोकन को नोट किया और आयोग को निर्देश दिया कि मैसर्स एडसिल (इंडिया) लि. नोएडा की शर्तों, नियमों, पेनाल्टी अनुच्छेदों और विश्वसनीयता की पुनः जांच की जाए और इससे संबंधित एक व्यापक प्रस्ताव आयोग की आगामी बैठक में विचारार्थ रखा जाए, जिसे आयोग ने अनुमोदित किया।

२. आयोग ने संयुक्त सचिव (एमएसएमई) की इस टिप्पणी को भी नोट किया कि क्या इस संबंध में मंत्रालय से पूर्वानुमोदन प्राप्त किया गया है, जैसा कि इस संबंध व्यय विभाग के विशिष्ट निर्देश हैं कि जो पद 01 वर्ष से अधिक समय से रिक्त हैं , उनको व्यय विभाग से अनुमोदित कराना आवश्यक है।

३. इसलिए आयोग ने चर्चा की एवं निर्णय लिया कि प्रशासन निदेशालय रिक्त 344 पदों में से कितने पद 01 वर्ष से अधिक समय से रिक्त हैं एवं कितने पद 01 वर्ष से कम समय से रिक्त हैं, को चिन्हित करे।

४. इसके अतिरिक्त, संयुक्त सचिव (सूलमउम) ने बताया कि बहुत सारे पद ऐसे है कि जिनको खाग्राआ द्वारा आउटसोर्स के आधार पर भरा जा सकता है और जिसके लिए सरकार के अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होती है एवं ऐसे पदों को भी चिन्हित करके अलग किया जाना चाहिए।

५. सदस्य (मध्य अंचल) के इस अवलोकन पर कि भर्ती एजेंसी मैसर्स एडसिल (इंडिया) लिमिटेड का उत्तराखंड में कार्यनिष्पादन संतोषजनक नहीं था। संयुक्त सचिव सचिव (सूलमउम) ने कहा कि सूलमउ मंत्रालय ने खाग्राआ को मैसर्स एडसिल जैसी भर्ती एजेंसी को नियुक्त करने की सलाह दी थी।

६. यह स्पष्ट किया गया कि जिन एजेंसियों ने भर्ती के लिए पहले बोली लगाई थी, वे निजी एजेंसी थी एवं उनमें कुछ ही सार्वजनिक क्षेत्र/ सरकारी संगठन थे एवं इसलिए यह निर्णय लिया गया था कि मैसर्स एडसिल (इंडिया) लिमिटेड को खाग्राआ में विभिन्न पदों को भरने के लिए नियुक्ति की प्रक्रिया, नियम एवं शर्तों पर प्रस्तुतीकरण देने हेतु निवेदन किया जाए, और आयोग ने इस हेतु मुख्य कार्यकारी अधिकारी को मामले पर अंतिम निर्णय लेने के लिए प्राधिकृत किया। ★★

## खादी क्षेत्र के उत्थान हेतु आयोग द्वारा किये गए विज्ञापन.....

सत्यमेव जयते
Khadi India
MSME
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम
MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
INAUGURATION OF
KHADI INDIA Lounge
A modern exclusive Khadi India Sales Outlet
by
Kalraj Mishra
Minister for MSME, Govt of India
in august presence of
Haribhai Parthibhai Choudhary
Minister of State for MSME, Govt. of India
Giriraj Singh
Minister of State for MSME, Govt. of India
Vinai Kumar Saxena
Chairman
Khadi and Village Industries Commission
On 31st January, 2017 at 4.00 p.m.
at A-1, Baba Kharag Singh Marg, Opp. Mohan Singh Palace, New Delhi-110 001
Buy Khadi products online through digital payment.
Visit Khadi India Lounge and experience the magic of handcrafted designer Khadi Products
Usha Suresh IES
Chief Executive Officer
Khadi and Village Industries Commission
Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises. Govt of India
Website: www.kvic.org.in

सत्यमेव जयते
Khadi India
MSME
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम
MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
INAUGURATION OF
KHADI INDIA Lounge
A modern exclusive Khadi India Sales Outlet
by
Vinai Kumar Saxena
Chairman
Khadi and Village Industries Commission
Ministry of MSME, Govt. of India
Guest of Honour
Shambhu Dayal Badgujar
Chairman
Rajasthan Khadi & Village Industries Board
On 17th January, 2017 at 3.30 p.m.
at Khadi and Village Industries Commission Campus
Jhalana Dongari, Jaipur
Visit and experience the magic of handcrafted designer Khadi Products
Usha Suresh IES
Chief Executive Officer
Khadi and Village Industries Commission
Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises. Govt of India
Website: www.kvic.org.in
For further information contact: 0141-2707850 / 2706969

सत्यमेव जयते

Khadi India

MSME
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम
MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES

HANDCRAFTED pen and watches from Switzerland,
leather shoes from France,
vanity bags from Italy and
cotton attire from Egypt.

*You pay thousands for these foreign goods and buy*
*When it comes to Indian handicrafts, you shy !*

**This season**

Visit a Khadi India outlet in your city
Buy proudly the top quality handcrafted Khadi fabric and products,
made in rural India by your fellow countrymen !

**Why** pay for the foreign hands?
Feel the warmth of India

Vinai Kumar Saxena
Chairman
Khadi and Village Industries Commission
Ministry of Micro, Small & Medium Enterpises, Govt. of India
Website: www.kvic.org.in

सत्यमेव जयते

Khadi India

MSME
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम
MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES

**हस्तनिर्मित** स्विट्ज़रलैंड से पेन और घड़ियाँ,
फ्रांस से चमड़े के जूते,
इटली से पर्स व बटुए और
मिस्र से कॉटन वस्त्र.

आप इन विदेशी वस्तुओं के लिए हजारों खर्च करते हैं और खरीदते हैं,
और जब भारतीय हस्तशिल्प खरीदने की बात आती है, आप संकोच करते हैं !

**इस अवसर पर**

अपने शहर के एक खादी इण्डिया आउटलेट पर जाएं,
गर्व से खरीदें उच्च गुणवत्ता के हस्तनिर्मित वस्त्र और उत्पाद,
जो आपके देशवासियों द्वारा ग्रामीण भारत में बनाये गए हैं !

**क्यों** विदेशी हाथों को भुगतान करें ?
भारत की आत्मीयता को महसूस करें

विनय कुमार सक्सेना
अध्यक्ष
खादी और ग्रामोद्योग आयोग
सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
वेबसाइट : www.kvic.org.in

Khadi India
रूरल इलेक्ट्रीफिकेशन कॉरपोरेशन
एवं
खादी और ग्रामोद्योग आयोग
के मध्य लगभग 5.50 करोड़ रू. की ऐतिहासिक सीएसआर साझेदारी
ग्राम सेवापुरी, जिला वाराणसी में रूरल इलेक्ट्रीफिकेशन कॉरपोरेशन ने सीएसआर के तहत 500 सौर ऊर्जा संचालित चरखे और
100 सौर ऊर्जा संचालित करघे दान स्वरूप देकर जीवन को बदलने के क्षेत्र में-सीएसआर की एक नई परिभाषा सृजित की है।
इस नए साझेदार कार्यक्रम के रचयिता
श्री पीयूष गोयल
केन्द्रीय बिजली, कोयला एवं अक्षय ऊर्जा राज्य मंत्री, भारत सरकार
को हमारा हार्दिक धन्यवाद
हमारी प्रेरणा
कलराज मिश्र
केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री, भारत सरकार
हरिभाई पार्थीभाई चौधरी
केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्यमंत्री, भारत सरकार
गिरिराज सिंह
केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्यमंत्री, भारत सरकार
सीएसआर का अर्थ
सी निगमित
एस सामाजिक
आर उत्तरदायित्व
विनय कुमार सक्सेना
अध्यक्ष
खादी और ग्रामोद्योग आयोग
भारत सरकार
सीएसआर की नई परिभाषा
सी स्वच्छता
एस सतत
आर अक्षय
वेबसाईटः www.kvic.org.in

Khadi India
Rural Electrification Corporation
&
Khadi and Village Industries Commission
Inking historic CSR partnership worth Rs. 5.50 crores
500 Solar Powered Charkhas and 100 Solar Powered Looms Donated by
REC under CSR at village Sevapuri, Dist.Varanasi. Transforming lives, writing a new defination of what CSR should be.
OUR BIG THANKS TO
Shri Piyush Goyal
Minister of State for Coal, Power & New Renewable Energy, Govt. of India,
being the architect of this new partnership programme
Our Inspiration
Kalraj Mishra
Minister for MSME, Govt. of India
Haribhai Parthibhai Chaudhary
Minister of State for MSME, Govt. of India
Giriraj Singh
Minister of State for MSME, Govt. of India
CSR Means
C Corporate
S Social
R Responsibility
Vinai Kumar Saxena
Chairman
Khadi and Village Industries Commission
Govt of India
New Defination of CSR
C Clean
S Sustainable
R Renewable
Website: www.kvic.org.in

# खादी क्षेत्र के उत्थान हेतु आयोग द्वारा किये गए विज्ञापन..

# समाचार पत्रों में प्रकाशित खादी ग्रामोद्योग जगत की सुर्खियां.....

CIRRUS

Economic Times - Mumbai;Wed, 07 Dec-16;Size : 60.58 sq.cm.;Page : 7

## Raymond Partners Khadi for New Clothing Line

**Our Bureau**

**Mumbai:** Fabric and apparel major Raymond has partnered Khadi and Village Industries Commission (KVIC) to introduce a new line of clothing under the brand Khadi by Raymond, pitted directly against Fabindia, which is a leader in ethnic Indian clothing and fabrics.

KVIC will certify Raymond to use the Khadi mark to sell ready-made garments and fabric, which will be available at KVIC and Raymond outlets across the country.

"Khadi is looking for a economic revolution ar Raymond has technical e pertise as well as significa global prese ce", said Sa jay Behl, CE Raymond.

"Our idea wa to own th complete value chain by ge ting directly into the sour of Khadi in India and th most widest and proficie in Khadi is KVIC."

The initiative is under th aegis of the KVIC Act 1956.

CIRRUS

Economic Times - Pune;Wed, 07 Dec-16;Size : 78.56 sq.cm.;Page : 13

## Raymond Stitches Up a Partnership with Khadi Commission

**Neha.Tyagi**
@timesgroup.com

**Mumbai:** Fabric and apparel major Raymond has partnered Khadi and Village Industries Commission (KVIC) to introduce a new line of clothing under the brand Khadi by Raymond, which will directly compete with Fabindia.

KVIC will certify Raymond to use Khadi mark to sell ready-made garments and fabric which will be available at KVIC and Raymond outlets across the country.

"Khadi is looking for an economic revolution and Raymond has technical expertise as well as significant global presence. This is a perfect match,"said Sanjay Behl, CEO Raymond.

"Our idea was really to own the complete value chain by getting directly into the source of Khadi in India and the most widest and proficient in Khadi is KVIC," he added.

The initiative is taken under the KVIC Act that permits it to promote the sale and marketing of Khadi or products of village industries or handicrafts and forge links with established marketing agencies.

CIRRUS

Business Standard - Mumbai;Wed, 07 Dec-16;Size : 34.3 sq.cm.;Page :

## KVIC, Raymond join hands to launch Khadi label

Khadi & Village Industries Commission (KVIC), part of the MSME ministry, and apparel major Raymond today announced a joint initiative to market the khadi fabric to position it as a fashion trend. Raymond will be sourcing all India variety of khadi from KVIC departmental sales outlets from Delhi and Mumbai, for over the counter sales as well as crafting readymade garments for its apparel brands. PTI

शनिवार, 31 दिसंबर 2016

## नोटबंदी से खादी बेअसर, बढ़ी आमदनी

सुरेन्द्र मिश्र
मुंबई।

### खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के चेयरमैन का दावा

नोटबंदी को लेकर जहां पूरे देश में व्यवसाय पर मंदी की छाया है, वहीं खादी व ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के खादी भवन और खादी की दुकानों पर नोटबंदी बेअसर रही है। यह वाकई चौंकाने वाला है, लेकिन खादी व ग्रामोद्योग बोर्ड के चेयरमैन विनय कुमार सक्सेना की मानें तो नोटबंदी के बाद खादी उत्पादों की बिक्री में करीब सात प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

सक्सेना ने बताया कि नोटबंदी की घोषणा के बाद एक -दो दिन तक ही इसका असर रहा। नोटबंदी से खादी उत्पादों की बिक्री पर कोई फर्क नहीं पड़ा। खादी संस्थानों में सभी कर्मचारियों को कैशलेस ट्रांजेक्शन की ट्रेनिंग दी गई है। पूरे देश में 7100 खादी आउटलेट्स हैं। इन सभी को डिजिटलाइज करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, केवीआईसी की सीईओ उषा सुरेश ने कहा कि लेनदेन के तरीके में बदलाव के कारण खादी व ग्रामोद्योग क्षेत्र बहुत प्रभावित नहीं हुआ। उदाहरण के तौर पर नई दिल्ली में 91 प्रतिशत कैशलेस, एक प्रतिशत चेक और बाकी कैश में खादी की बिक्री हो रही है।

इसी तरह सभी जगह स्वाइप मशीनें उपलब्ध कराई जा रही हैं और कार्ड से खरीदारी पर एक प्रतिशत की छूट भी दी जा रही है। उधर आयोग ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत 30 लाख रुपए जुटाए हैं। सक्सेना ने बताया कि 226 कंपनियों को पत्र भेजकर ग्रामीण रोजगार बढ़ाने के लिए सोलर चर्खे और लूम खरीदने में आर्थिक सहयोग की अपील की गई है।

### वाराणसी में 250 एकड़ में बनेगा 'खादी प्लाजा'

खादी ग्रामोद्योग आयोग वाराणसी के तेलियाबाग इलाके में अपने 250 एकड़ जमीन के पुनर्विकास पर गंभीरता से विचार कर रहा है। सक्सेना ने बताया कि केवीआईसी की जमीनों के व्यावसायिक इस्तेमाल की योजना पर काम शुरू है। जल्द ही नई नीति बनाई जाएगी। जिस जगह पर केवीआईसी की जमीन है वहां 60 साल पुरानी इमारतें हैं। इसका पुनर्विकास करने पर आलीशान खादी प्लाजा का निर्माण कराया जाएगा।

News | FOREVER NEWS | 27 Dec. 2016 | 3

## Spinning Charkha transforms life and brings harmony



www.forevernews.in/no-impa

Khadi India outlet, New Delhi has registered an increase of 14% in the sales during the month of December 2016 as compared to the same period during the previous year. In December 2015 the sale was Rs.4.84 Crore and in Dec 2016 it reached Rs.5.52 Crore (upto 27th December). Similarly in November 2015,the sale was Rs.6.25 Crores and in November 2016 it registered Rs. 6.48 Crores, an increase of 4.50 %. In November 2015 the cashless sale was (Credit/ Debit Card payment) was below 50% which has increased to more than 90 %in the same period.

During the last one and half months ,KVIC has also initiated awareness camps and workshop for cashless transactions in its all zones for the benefit of Khadi institutions and artisans and also distributed of debit cards to Khadi artisans in many places.

## ग्रामीण शिल्पकारों के लिए मुंबई में प्रदर्शनी

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआइसी) ने महाराष्ट्र के सुदूर ग्रामीण इलाकों के शिल्पकारों की मदद के लिए एक और पहल की है। इसके लिए आयोग ने मुंबई में 'खादी हाट 2016' का आयोजन किया है। इसमें ग्रामीण महाराष्ट्र के अनेक शिल्पकार अपने परंपरागत हस्तशिल्प उत्पादों की बिक्री कर रहे हैं। यह प्रदर्शनी 26 दिसंबर से शुरू होकर 1 जनवरी, 2016 तक चलेगी। केवीआइसी के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने कहा इस प्रकार के मेलों से राष्ट्र की सृजनात्मक विविधता को सामाजिक-आर्थिक एकता हासिल होती है। साथ ही चरखा कातने से धागा बनाने वालों के जीवन में बदलाव आता है।



## मुंबई में लगा खादी बाजार

... कारीगरों की सहायत हेतु खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने मुंबई शहर के हृदय स्थल में खादी हाट 2016 का आयोजन कर मदद का हाथ बढ़ाया है, जहां संपूर्ण महाराष्ट्र से दूर दराज क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीण कारीगर सामूहिक रूप से अपने पारंपरिक हाथ कागज की वस्तुओं की बिक्री कर रहे हैं। इस नववर्ष में त्योहारों के अवसर पर क्रेताओं को जैविक एवं पर्यावरण के अनुकूल उत्पाद उपलब्ध कराने की दृष्टि से यह प्रदर्शनी 26 दिसंबर 2016 से एक जनवरी, 2016 तक आयोजित की जा रही है। इस अवसर पर संबोधित करते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि शहरी बाजार में ग्रामीण कारीगरों को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार के कार्य न केवल देश की रचनात्मक विविधता में सामाजिक, आर्थिक एकता का कार्य करता है, अपितु चरखा कारीगरों के जीवन में सामंजस्य स्थापित कर उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाता है।

# छात्रों को जूते-चप्पल वितरित

## ग्रीनसोल फाउंडेशन ने किया वितरण

सामाजिक

कार्यालय संवाददाता

मुंबई. बगैर जूते-चप्पलों के स्कूल जाने वाले छात्रों के लिए उड़ान मुहिम बेहद कारगर साबित हो रही है. आदिवासी इलाकों में बिना जूते के स्कूल जाने वाले सैकड़ों छात्रों के पैरों में अब जूते दिखने लगे हैं. ग्रीनसोल फाउंडेशन ने एक्सिस बैंक के रिटेल लेंडिंग एंड पेमेंट्स विभाग के साथ जव्हार , मोखड़ा, उरण और मुरबाड क्षेत्र के 10 हजार छात्रों को जूता-चप्पल वितरित किए. डब्लूएचओ की रिपोर्ट के अनुसार विश्व में 1.5 बिलियन लोग बिना जूता-चप्पल के गुजारा करते हैं. असुरक्षित पैर की वजह से हर साल लाखों लोग कई बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं.

आदिवासी इलाकों में रहने वाले छात्रों को इस समस्या से निजात दिलाने के लिए ग्रीनसोल फाउंडेशन ने एक्सिस बैंक के साथ उड़ान मुहिम की शुरुआत की गई है.

ग्रीनसोल एंड हेरिटेज गर्ल्स स्कूल के निदेशक थ्रियांस भंडारी ने कहा कि उड़ान से जुड़े ज्यादातर बच्चों ने कभी जूते-चप्पल पहना ही नहीं है. इसलिए इस मुहिम की शुरुआत आदिवासी इलाकों से की गई है. उन्होंने कहा कि इनकी संस्था द्वारा फटे पुराने चप्पलों का नवीनीकरण किया जाता है. उनको दोबारा पहनने योग्य बनाया जाता है. उड़ान के तहत महाराष्ट्र समेत लखनऊ जिले के भी 89 स्कूलों में 13 हजार जोड़ी जूता-चप्पल वितरित किए.

# जज ने की खादी ग्रामोद्योग आयोग की सराहना

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के जज न्यायमूर्ति मदन बी लोकुर ने गुरुग्राम में खादी ग्रामोद्योग आयोग के काम की सराहना की है। यह आयोग गुरुग्राम की जिला जेल में कैदियों को प्रशिक्षण और रोजगार उपलब्ध कराने में मदद करता है। जस्टिस लोकुर ने यहां जिला जेल में प्रशिक्षण सह उत्पादन केंद्र का उद्घाटन करने के बाद विजिटर डायरी में आयोग के चेयरमैन वीके सक्सेना के काम की तारीफ की। उन्होंने लिखा कि जेल की यात्रा शानदार रही। यहां की सुविधाएं अच्छी हैं और कर्मचारियों, अधिकारियों व एनजीओ के प्रयास ने जेल को आदर्श स्थिति में ला दिया है। उन्होंने कैदियों को चरखा देना और उन्हें प्रशिक्षित करने के सक्सेना के प्रयास की सरहना की और कहा कि दूसरी जेलों में भी इसका अनुसरण किया जाना चाहिए। आमतौर पर यहां कैदियों को शारीरिक श्रम के बदले 25 रुपये मिलते हैं, लेकिन इस पहल से यहां के कैदी रोज 150 से 250 रुपये कमाना शुरू कर देंगे।

# जयापुर गांव को 50 सोलर चरखे दान

## राठौर ने किया प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

कार्यालय संवाददाता

मुंबई. ग्रामीण महिलों को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए खादी और ग्रामउद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा 50 सोलर चर्खे जयापुर गांव को दिए गए.

50 चरखों के साथ जयापुर गांव में सोलर चरखा प्रशिक्षण केंद्र की शुरुआत की गई है. जिसका उद्घटान केंद्रीय राज्यमंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौर ने किया. प्रशिक्षण केंद्र में 50-50 महिलाओं को 3 समूहों में प्रतिदिन तीन शिफ्ट में प्रशिक्षण दिया जाएगा.

प्रशिक्षित होने के बाद महिलाओं को प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के अंतर्गत कर्ज उपलब्ध करवाया जाएगा. ताकि घर बैठे महिलाओं को रोजगार हासिल कर सके.

एब्सल्यूट मुंबई

पहल — केवीआईसी ने आयोजित की पर्यावरण अनुकूल उत्पादों की प्रदर्शनी

# हाथ से बनाए उत्पादों से सजा 'खादी हाट'

- ग्रामीण कलाकारों की मदद से जुड़ी पहल
- एक जनवरी तक लोगों के लिए चलेगी प्रदर्शनी

# KVIC HOLDS KHADI HAAT TO HELP RURAL ARTISANS



**Mumbai:** Khadi And Village Industries Commission (KVIC) has taken an initiative of extending a helping hand to rural artisans from remote corners of Maharashtra by organizing Khadi Haat 2016 in the heart of Mumbai, where a group of artisans across remote Villages are selling their traditional handmade goods. Organised with a view to provide organic and eco friendly goods to the buyers on this festive season, the exhibition is being held from Dec. 26 to January 1, 2017. A release said the exhibition has an attractive ethnic collection of herbal products, health food, handmade paper, pottery, handicraft and woodcraft, among other things.

बिक्री में 7 फीसदी की बढ़ोतरी

# नोटबंदी का खादी पर असर नहीं



कार्यालय संवाददाता

मुंबई. नोट बंदी के बाद से कई उत्पादों की बिक्री घट गई है, वहीं नोट बंदी खादी पर बेअसर साबित हो रही है. 1000 व 500 रुपए के नोटों के चलन से बाहर होने के बाद से खादी की बिक्री में 7 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है. खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि नोट बंदी से पहले ही केवीआईसी ने डिजिटल लेनदेन शुरू कर दिया था. जिसके अच्छे नतीजे आज उनको मिल रहे हैं. खादी उत्पादों की बिक्री में 7 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई है. ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए आयोग डिजिटल पेमेंट करने वाले लोगों को 1 प्रतिशत का डिस्काउंट भी दे रहा है. उन्होंने कहा कि कैशलेस पद्धति को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न केंद्रों में शिविर का आयोजन कर रहा है.

## निजी संस्थाओं का सहयोग

ग्रामीण वासियों को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए निजी संस्थान भी सहयोग के लिए आगे आने लगे हैं. 70 कंपनियों ने 30 लाख रुपए से अधिक की धन राशि केवीआईसी को उपलब्ध करवाई है. विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए उन्होंने 226 निजी संस्थाओं को पत्र लिख मदद करने की अपील की थी. पत्र लिखने के कुछ ही दिनों बाद कई संस्थाओं ने मदद की पेशकश की है. निजी संस्थान से अब तक उन्होंने 30 लाख रुपए मिल चुके हैं.

**खादी हाट 2016**

महाराष्ट्र में दूर दराज क्षेत्रों के कारीगरों की सहायता के लिए केवीआईसी ने मुंबई में खादी हाट 2016 का आयोजन किया है. जहां राज्य के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले कारीगरों को सामूहिक रूप से अपने उत्पादों की बिक्री का अवसर उपलब्ध करवाया गया है. सक्सेना के अनुसार शहरी बाजार में ग्रामीण कारीगरों को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार के कार्य न केवल देश की रचनात्मक विविधता में सामाजिक आर्थिक एकता का कार्य करता है, अपितु चरखा कारीगरों के जीवन में सामंजस्य स्थापित कर उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाता है. खादी हाट 1 जनवरी 2017 तक जारी रहेगा. हाट में हर्बल उत्पाद, स्वास्थ्य वर्धक आहार, हस्तशिल्प, काष्ठशिल्प, चर्म उत्पाद, अगरबत्ती और मधु प्रदर्शनी लगाई गई है.

सुबह १० बजे ... दत्तमंदिर रोड, ... स्कूल, ... दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर चेयरमैन ... संकठा प्रसाद मिश्रा, अक्षैवर तिवारी, कौशल कुमार तिवारी, रामसेवक ... सुभाषचंद्र उपाध्याय और विनोद कुमार मिश्रा इत्यादि उपस्थित रहेंगे।

# नोटबंदी से खादी ग्रामोद्योग क्षेत्र प्रभावित नहीं

**मुंबई,** खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग ने आज कहा कि केंद्र सरकार के नोटबंदी के फैसले से उसकी बिक्री पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने यहां पत्रकारों से कहा कि नोटबंदी से खादी ग्रामोद्योग क्षेत्र ज्यादा प्रभावित नहीं हुआ है। विभाग के बिक्री केंद्रों पर पहले से ही डिजिटल माध्यम से भुगतान एवं बिक्री की जाती है। दिल्ली में विभाग के सबसे प्रमुख स्टोर पर तकरीबन 91 प्रतिशत खुदरा बिक्री डिजिटल भुगतान के माध्यम से होती है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार से मुक्त व्यवस्था विकसित करने का यह एक प्रभावी तरीका है।

# खादी मेले में मोदी जैकेट की भी धूम

वाराणसी | कार्यालय संवाददाता

हस्तशिल्प को बड़ा बाजार देने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने हस्त शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन किया है। मंगलवार को आयोग के तेलियाबाग स्थित परिसर में 15 दिवसीय प्रदर्शनी का विधायक रविन्द्र जायसवाल ने फीता काटकर शुभारंभ किया। उन्होंने प्रदर्शनी देखी और समस्याओं को भी जाना। मेले के पहले ही दिन सिले-सिलाये वस्त्रों के बीच मोदी-जैकेट की चर्चा चल पड़ी।

मेले में खादी की 33 और ग्रामोद्योग की 18 संस्थाओं के स्टॉल लगे हैं। मण्डलीय कार्यालय में आयोजित प्रदर्शनी में बिहार, राजस्थान, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, मध्यप्रदेश के कारीगरों ने अपने स्टाल लगाए हैं। बनारस के अलावा सीतापुर, बाराबंकी, कानपुर, गोरखपुर, देवरिया, आजमगढ़, मऊ, सोनभद्र के भी उत्पादकों ने अपने स्टॉल लगाये हैं।

खादी ग्रामोद्योग आयोग के तेलियाबाग स्थित मंडलीय कार्यालय परिसर में मंगलवार से शुरू हुई खादी प्रदर्शनी के दौरान एक स्टॉल पर वस्त्र देखते विधायक रवीन्द्र जायसवाल।

**10 से 30 प्रतिशत तक छूट :** सूती खादी के उत्पाद कोटिंग एवं शर्टिंग, दरी, चादर, जाजम, सलवार सूट, टेबल कवर सहित अनेक उत्पादों पर 30 प्रतिशत और ऊनी खादी के उत्पादों, सिल्क एवं पोलिस्टर खादी सिल्क एवं रेशमी खादी के उत्पादों रील्ड सिल्क आदि पर 10 से 20 प्रतिशत तक छूट दी जा रही है।

प्रदर्शनी में फर्नीचर, जूट के पायदान, अचार, मसाले, पापड़, नमकीन, साबुन, शैम्पू, अगरबत्ती, मिट्टी के खिलौने, आंवले के लड्डू सहित अनेक उत्पादों के स्टॉल लगे हैं। मेले में पहले दिन ही शहरवासियों की भीड़ उमड़ी। खरीदारों में महिलाओं की संख्या अधिक दिखी। खादी मेला हर साल एक करोड़ से ज्यादा का कारोबार करता है। इस बार नोटबंदी से कुछ असर पड़ सकता है।

इस दौरान निदेशक बलधारी सिंह, उपायुक्त उमेश सिंह, कृषक विकास ग्रामोद्योग संस्थान के मंत्री संदीप सिंह, सह निदेशक गोपाल जी, सुरेंद्र सिंह आदि मौजूद थे।

### अभिरूचियों का पूरा ख्याल

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की हस्त शिल्प प्रदर्शनी में नए फैशन के कपड़े भी आये हैं। लोगों की बदलती अभिरुचियों के अनुसार डिजायनदार कपड़े भी प्रदर्शनी में दिखेंगे तो साज सज्जा की वस्तुएं भी आकर्षण का केंद्र हैं।

---

गुरुवार की सुबह मनपा के पेनल नंबर 34 उल्हासनगर-5 का दौरा किया. मनपा आयुक्त निंबालकर के दौरे के संदर्भ में शहर विकास व नियोजन समिति की सभापति जया साधवानी ने बताया कि आयुक्त ने सुविधाओं को लेकर चर्चा की.

तिजोरी से एक लाख नगद उड़ा दिए.

तुलिंज के शिर्डी गाला नगर स्थित सिद्धि विनायक अपार्टमेंट के रूम नं. 104 निवासी अलीमा रफीक अंसारी (55) ने कुछ माह पूर्व शबनम नामक एक पेइंग गेस्ट को अपने यहां रखा था. अंसारी ने बताया कि शबनम ने दोपहर के वक्त मेरे घर की तिजोरी में रखे एक लाख नगद की चोरी कर ली है. पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है.

# जयापुर गांव को 50 सोलर चरखे दान

## राठौर ने किया प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

कार्यालय संवाददाता

**मुंबई.** ग्रामीण महिलों को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए खादी और ग्रामउद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा 50 सोलर चर्खे जयापुर गांव को दिए गए.

50 चरखों के साथ जयापुर गांव में सोलर चरखा प्रशिक्षण केंद्र की शुरुआत की गई है. जिसका उद्घटान केंद्रीय राज्यमंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौर ने किया. प्रशिक्षण केंद्र में 50-50 महिलाओं को 3 समूहों में प्रतिदिन तीन शिफ्ट में प्रशिक्षण दिया जाएगा.

प्रशिक्षित होने के बाद महिलाओं को प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के अंतर्गत कर्ज उपलब्ध करवाया जाएगा. ताकि घर बैठे महिलाओं को रोजगार हासिल कर सके.

---

News | www.forevernews.in email : info@forevernews.in **FOREVER NEWS** 23 - 29 Dec. 2016 | 3

37th annual ...

# KVIC takes two new initiatives in Varanasi

**Varanasi:** On the occasion of Solar charkha training centre inauguration, KVIC distributed 50 solar charkhas in Jayapur village. The programme was inaugurated by Rajyawardhan Singh, Hon'ble Cabinet minister for State in presence of Vinai Kumal Saxena, Chairman, KVIC. The training centre will provide training to women in three batches with 50 women in each. Post training these women will be supported through Prime Minister's Employment Generation Programme to avail loan under this scheme and generate of employment.

The second initiative is a salt processing unit was also inaugurated at Gandhi Ashram, Seva Puri. The unit will process eight tons of salt everyday which will be sold as less iodized salt in packs of 1kg at low cost. This enterprise will generate direct employment for 15 persons directly and for 20 person indirectly. The unit will start commercial production in next 1... days.

www.forevernews.in

---

# खादी की ओर रेमंड, आदित्य बिड़ला, रिलायंस

विपुल दवे
अहमदाबाद, 25 दिसंबर

**अरविंद के** बाद अन्य कंपनियां रेमंड, आदित्य बिड़ला समूह, रिलायंस रिटेल लिमिटेड भविष्य में खादी में उतरने की योजना बना रही हैं। समझा जाता है कि आदित्य बिड़ला फैशन रिटेल (एबीएफआर) ने 4500 मीटर खादी का ऑर्डर गोंडल के उद्योग भारती वीवर ग्रुप को दिया है। रेमंड भी हाथ से बुनी खादी हासिल करने के लिए करीब 80 खादी संस्थानों से बातचीत कर रही है और अपने खुदरा स्टोर के जरिए कंपनी की योजना फरवरी में खादी के परिधान पेश करने की है।

माना जा रहा है कि रिलायंस रिटेल इस क्षेत्र में संभावित प्रवेश के लिए खादी निर्माताओं से नमूने इकट्ठा कर रही है। रेमंड के टेक्सटाइल कारोबार के बिक्री व वितरण प्रमुख राम भटनागर ने कहा, हम खादी बाई रेमंड के तौर पर ट्राउजर, जैकेट आदि डिजाइनर गार्मेंट की रेंज पेश करने की योजना बना रहे हैं। कारोबार में संगठित कंपनियों के प्रवेश से निश्चित तौर पर उपभोक्ताओं की अवधारणा बदलेगी क्योंकि हम फैशन को बेहतर तरीके से समझते हैं। इसके 1,000 से ज्यादा रिटेल आउटलेट्स हैं। कंपनी फरवरी से 100 स्टोर के जरिए खादी परिधान बेचना शुरू करेगी। पहले ऊनी खादी पेश होगा, इसके बाद सिल्क, कॉटन और पोली खादी साल के दौरान पेश होगा। भटनागर ने कहा, पेश किए जाने के बाद हम अगले दो साल में कुल परिधान कारोबार में करीब 10 फीसदी खादी के होने की उम्मीद कर रहे हैं। हम इसे अपने विदेशी स्टोर में भी बेचेंगे।

**गठजोड़ से केवीआईसी को उम्मीद है कि खादी की बिक्री बढ़कर तीन सालों में 5000 करोड़ रु. पर पहुंच जाएगी**

संगठित कंपनियों का मानना है कि खादी की आपूर्ति चिंता का विषय हो सकती है क्योंकि यह फैब्रिक हाथ से तैयार होता है। इसलिए इसे औपचारिक तौर पर पेश किए जाने से पहले पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने का लक्ष्य है।

फैब्रिक को आगे बढ़ाने के लिए खादी एवं ग्राम उद्योग आयोग (केवीआईसी) खुद ही कंपनियों से गठजोड़ कर रहा है। इसने रेमंड के साथ डिजाइनर खादी परिधान के उत्पादन व बिक्री के लिए समझौता किया है। रेमंड खादी की सोर्सिंग केवीआईसी से मंजूरी पाने वाले बुनकरों से करेगी और डिजाइनर कपड़े बनाएगी। केवीआईसी और रेमंड उनके कपड़े अपनी खुदरा दुकानों पर बेचेंगी।

केवीआईसी के मुताबिक, आदित्य बिड़ला समूह ने उनसे संपर्क किया है और प्रस्ताव विचाराधीन है। एबीएफआर और रिलायंस रिटेल से इस बारे में जानकारी हासिल करने के लिए भेजे गए ईमेल का जवाब नहीं मिला।



### नए फैब्रिक का रुख

इस फैब्रिक को प्रोत्साहित करने के लिए खादी एवं ग्राम उद्योग आयोग खुद भी कंपनियों से गठजोड़ कर रहा है

| साल | बिक्री करोड़ रुपये | पिछले साल के मुकाबले बढ़ोतरी फीसदी में | रोजगार (10 लाख) |
|---|---|---|---|
| 2010-11 | 971.26 | 5.81 | 1.01 |
| 2011-12 | 967.87 | 5.51 | 1.04 |
| 2012-13 | 1,021.56 | 5.54 | 1.07 |
| 2013-14 | 1,081.04 | 5.82 | 1.09 |
| 2014-15 | 1,170.04 | 8.26 | 1.1 |
| 2015-16 | 1,510 | 29.06 | 1.1 |

स्रोत : खादी एवं ग्राम उद्योग आयोग

केवीआईसी के चेयरमैन वी के सक्सेना ने कहा, हम बड़े कॉरपोरेट के साथ हाथ मिला रहे हैं और हमारा इरादा खादी की बिक्री खास तौर से शहरी ग्राहकों के बीच बढ़ाने का है। इससे दस्तकारों को मदद मिलेगी, जिनके पास अभी बहुत ज्यादा ऑर्डर नहीं है। इस संयुक्त पहल से स्पिनर व बुनकरों के लिए 2.10 लाख मानव घंटे का रोजगार सामने आएगा और 10 लाख से ज्यादा खादी दस्तकारों के लिए फायदेमंद होगा।

कंपनियों के साथ ऐसे गठजोड़ से केवीआईसी को उम्मीद है कि खादी की बिक्री 1065 करोड़ रुपये सालाना से बढ़कर अगले तीन सालों में 5000 करोड़ रुपये पर पहुंच जाएगा।

NEWS () VIDEOS () LIVE CHAT () WIKIPEDIA ()

# Raymond, KVIC launch India's first branded Khadi label

Posted, 2016-12-06

Newstrack India (http://newstrackindia.com/newsdetails/2016/12/06/386--Raymond-KVIC-launch-India-s-first-branded-Khadi-label-.html)

Report rights infringement

Mumbai (https://wn.com/Mumbai), Dec 6 (https://wn.com/Dec_6) (IANS (https://wn.com/IANS)) The Khadi & Village Industries (https://wn.com/Village_Industries) Commission (https://wn.com/Commission) and Raymond Ltd (https://wn.com/Raymond_Ltd). have joined hands to launch India (https://wn.com/India)'s first branded Khadi label as part of a strategic marketing initiative for the product from February 2017 (https://wn.com/February_2017), it was

> "Spinning the 'charkha' has always been a symbol of self-reliance and now Raymond has Khadi, a true Indian fabric as part of its product portfolio. It will create multiple employment opportunities and empower artisans, especially the women, in rural areas,"

## Raymond, KVIC launch India's first branded Khadi label

Daily finance

Mumbai, Dec 6 : The Khadi & Village Industries Commission and Raymond Ltd. have joined hands to launch India's first branded Khadi label as part of a strategic marketing initiative for the product from February 2017, it was announced here on Tuesday.

By this, KVIC will permit Raymonds to use the Khadi Mark, branded as 'Khadi by Raymond' and the latter will source all its Khadi requirements from stores in Mumbai and Delhi.

Besides positioning Khadi as a "fashion fabric" globally, the initiative is expected to generate incremental employment of around 2.10 lakh man-hours for spinners and weavers.

'Khadi by Raymonds' will hit the stores at KVIC outlets and Raymond shops across the country from February 2017 and also be available online.

The agreement was signed between KVIC CEO Usha Suresh and Raymond Ltd CEO Sanjay Behl in the presence of KVIC Chairman Vinai Kumar Saxena and Raymond Ltd Chairman & Managing Director Gautam Hari Singhania.

Terming it as a historic partnership between KVIC and Raymond for value-added marketing of Khadi, Saxena said its in tune with the Make In India initiative and help bridge the rural-urban industry divide.

"Spinning the 'charkha' has always been a symbol of self-reliance and now Raymond has Khadi, a true Indian fabric as part of its product portfolio. It will create multiple employment opportunities and empower artisans, especially the women, in rural areas," said Singhania.

Suresh said by this partnership, Khadi would be promoted as a global and fashionable fabric and Raymond will provide a khadi niche among the fashion conscious global Indians who love genuine hand-spun fabric.

In view of evolving trends of customers' preferences, Behl said through the partnership, Raymond will promote Khadi globally and offer a wide array of fabric blends and garments spanning suits, jackets, shirts, trousers in tune with international design and quality trends.

/IANS

Share this:

Twitter (http://dailyworld.in/raymond-kvic-launch-indias-first-branded-khadi-label/?share=twitter&nb=1)
Facebook (http://dailyworld.in/raymond-kvic-launch-indias-first-branded-khadi-label/?share=facebook&nb=1)
WhatsApp (http://dailyworld.in/raymond-kvic-launch-indias-first-branded-khadi-label/?share=whatsapp&nb=1)
Google (http://dailyworld.in/raymond-kvic-launch-indias-first-branded-khadi-label/?share=google-plus-1&nb=1)
LinkedIn (http://dailyworld.in/raymond-kvic-launch-indias-first-branded-khadi-label/?share=linkedin&nb=1)
Email (http://dailyworld.in/raymond-kvic-launch-indias-first-branded-khadi-label/?share=email&nb=1)
Skype (http://dailyworld.in/raymond-kvic-launch-indias-first-branded-khadi-label/?share=skype&nb=1)
Print (http://dailyworld.in/raymond-kvic-launch-indias-first-branded-khadi-label/#print)
WhatsApp (whatsapp://send?text=Raymond%2C%20KVIC%20launch%20India%27s%20first%20branded%20Khadi%20label http%3A%2F%2Fdailyworld.in%2Fraymond-kvic-launch-indias-first-branded-khadi-label%2F)

## Fabindia and Raymond stores to sell 'Khadi' apparel

BUSINESS (HTTP://WWW.HINDUSTANTIMES.COM/BUSINESS)
Mahua Venkatesh
Hindustan Times
Updated: Oct 04, 2015 22:23 IST

Khadi Gramodyog Bhawan in Bhopal. (Mujeeb Faruqui/ HT Photo)

## Business Standard

### KVIC, Raymond join hands to launch Khadi label

**Press Trust of India | Mumbai December 06, 2016** Last Updated at 19:07 IST

Khadi & Village Industries Commission (KVIC), part of the MSME ministry, and apparel major Raymond today announced a joint initiative to market the khadi fabric to position it as a fashion trend.

Raymond will be sourcing all India variety of khadi from KVIC departmental sales outlets from Delhi and Mumbai, for over the counter sales as well as crafting readymade garments for its apparel brands.

"In line with the Prime Minister's vision, this agreement is going to bridge the urban-rural divide," V K Saxena, KVIC chairman, said here.

Further, this joint initiative will result in an incremental employment of 2.10 lakh man hours for spinners and weavers, he added.

Raymond plans to brand the product as 'Khadi by Raymond', and position khadi as a viable fashion fabric.

The textile major also plans to bring in the design interventions in the khadi manufacturing clusters across the country along with providing technical expertise.

As part of the initiative 'Khadi by Raymond' will be available at KVIC outlets and Raymond stores across the country from February 2017, he said.

"With this association, it is our endeavour to position 'Khadi by Raymond' as an Indian fashion fabric globally," Sanjay Behl, CEO of Raymond said.

Raymond has agreed for a guaranteed minimum procurement of khadi and khadi products for five years with primary purchases of muslin cotton and silk.

Khadi by Raymond products will be available at KVIC outlets, the Raymond shops and e-commerce portals.

SIP Academy (Http://Www.Chennaionline.Com/Tags/Sip-Academy)

## Raymond, KVIC launch India's first branded Khadi label

December 06, 2016, Chennai

MUMBAI

Mumbai, Dec 6 (IANS) The Khadi & Village Industries Commission and Raymond Ltd. have joined hands to launch branded Khadi label as part of a strategic marketing initiative for the product from February 2017, it was announ

nline

VIC will permit Raymonds to use the Khadi Mark, branded as 'Khadi by Raymond' and the latter will sou Khadi requirements from stores in Mumbai and Delhi.

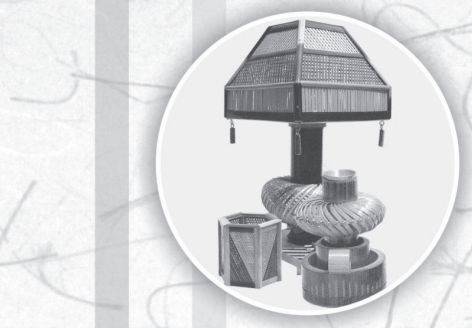

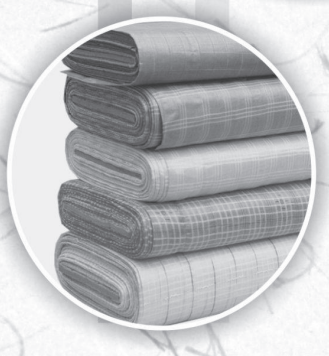

# खादी और ग्रामोद्योगी उत्पाद:बेहतरीन खरीदी

खादी और ग्रामोद्योगी उत्पाद मनुष्य जाति के लिए
नैसर्गिक उपहार हैं एवं यह प्रत्येक यादगार
अवसर पर विभिन्न किस्म की वस्तुएं जैसे
ताड़ की उत्कृष्ठ वस्तुएं, कलात्मक
कुम्हारी वस्तुएं रेशा के विलक्षण और पत्थर जड़ित
उपयोगी तथा बहुमूल्य वस्तुएं प्रदान करता है ,,

इन वस्तुओं की खरीदी हो अथवा उत्पादनअपने आप में अनोखा तजुर्बा है,
यह कैसे संभव है,जानने के लिए
संपर्क करें

अपने नजदीकी खादी भवन/भंडार में अवश्य पधारें।

## खादी और ग्रामोद्योग आयोग

KVIC
कामये दुःखतप्रानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
ग्रामोदय, 3, इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम ),मुंबई - 400056.
फोन : 2671 4320, 2671 6323

वेबसाईट : www.kvic.org.in

KVIC 10-11

"ग्रामीण भारत में हम रोजगार सृजन करतें है तथा समृध्दि बुनतें है"